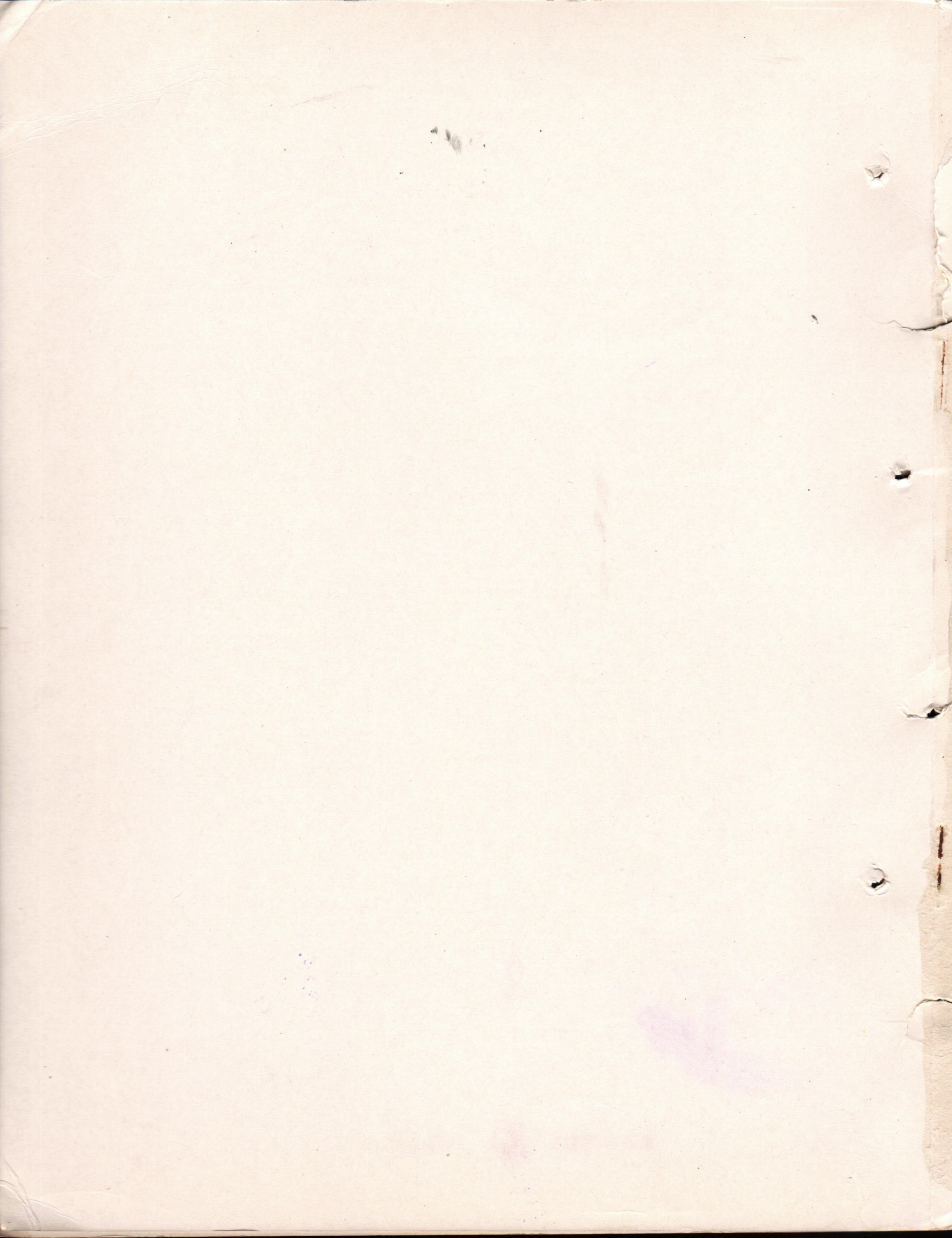




सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
1995-96

भारतीय डाक विभाग
Department of Post, India



वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
1995-96

भारतीय डाक विभाग
Department of Post, India



विषय-सूची

अध्याय 1	भारतीय संचार परिदृश्य-मुद्रे और चुनौतियां	1-8
अध्याय 2	संगठन	9-14
अध्याय 3	आधुनिकीकरण	15-18
अध्याय 4	मानव संसाधन विकास	19-22
अध्याय 5	प्रचालन तथा कार्यकलाप	23-32
अध्याय 6	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	33-38
अध्याय 7	एजेंसी कार्य	39-44
अध्याय 8	वित्त	45-48
अध्याय 9	अन्य कार्यकलाप	49-52
	परिशिष्ट	53-58

CONTENTS

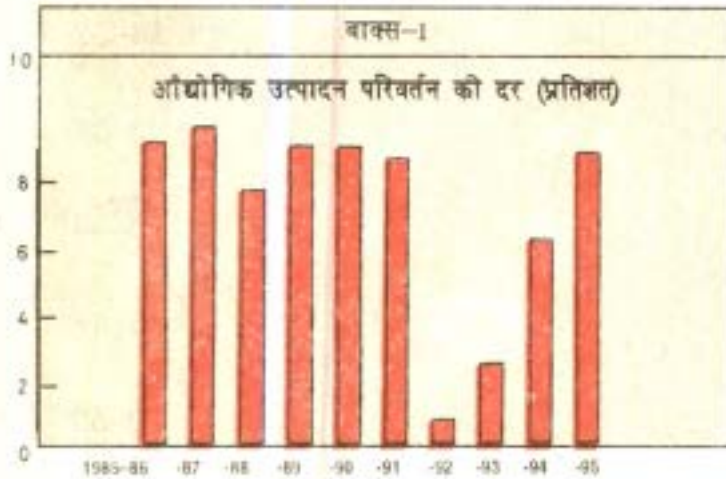
Chapter 1	Indian Communication Scenario	1-8
Chapter 2	Organisation	9-14
Chapter 3	Modernisation	15-18
Chapter 4	Human Resource Development	19-22
Chapter 5	Operation & Activities	23-32
Chapter 6	International Relations	33-38
Chapter 7	Agency Functions	39-44
Chapter 8	Finance	45-48
Chapter 9	Other Activities	49-52
	Appendices	53-58

अध्याय-1

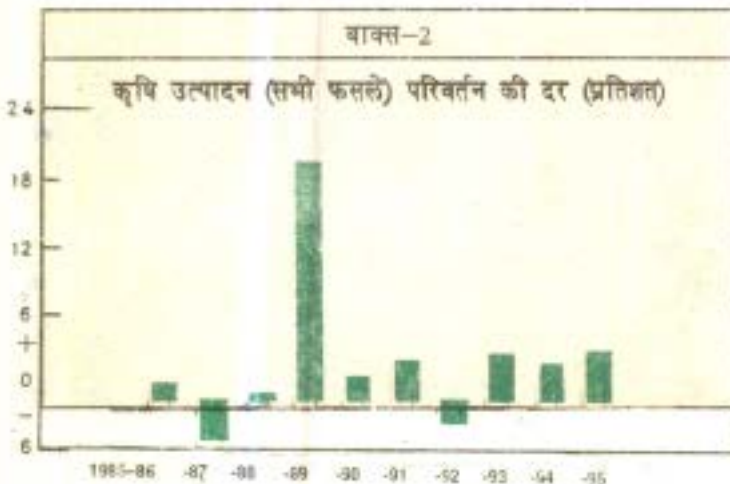
भारतीय संचार परिदृश्य—मुद्दे और चुनौतियां

1.1 हाल ही में भारत सरकार ने प्रतिस्पर्धा बहाल करके, उच्च तकनीकी रुझानों वाले उद्योगों का आधुनिकीकरण, राजकोषीय नीतियों का पुनः अभिविन्यास, अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र के लिए कड़ी भूमिका की व्यवस्था और दीर्घावधिक परिप्रेक्ष्य में सरकारी क्षेत्र का पुनर्गठन करके विनिर्वाचित बाजार अर्थव्यवस्था से हटकर मुक्त बाजार प्रणाली के लिए बहुत से आर्थिक सुधार शुरू किए हैं। इन सुधारों ने शानदार प्रगति की है। वर्ष 1991-92 में 0.8 प्रतिशत की समग्र आर्थिक विकास की दर 1994-95 में बढ़कर लगभग 6.3 प्रतिशत हो गई। औद्योगिक उत्पादन में, जो कुछ वर्ष पहले वस्तुतः स्थिर हो गया था, 1994-95 में लगभग 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वर्ष 1994-95 के दौरान निर्यात के मूल्य में 18.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।



खाद्यान्न उत्पादन ने, जिसमें 1991-92 में 168 मिलियन टन तक गिरावट आयी थी, 1994-95 में 191.1 मिलियन टन का रिकार्ड स्तर प्राप्त किया।



आर्थिक सुधार की प्रक्रिया में सरकार ने विदेशी ऋण के स्तर को कम कर दिया है और विदेशी करेंसी प्रारक्षित भंडार में भी 1994-95 के अंत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई अर्थात् ये लगभग 25.19 मिलियन डालर हो गया।



विदेशी मुद्रा भंडार = विदेशी करेंसी आरक्षितियां + सोना + विशेष आरक्षण अधिभार

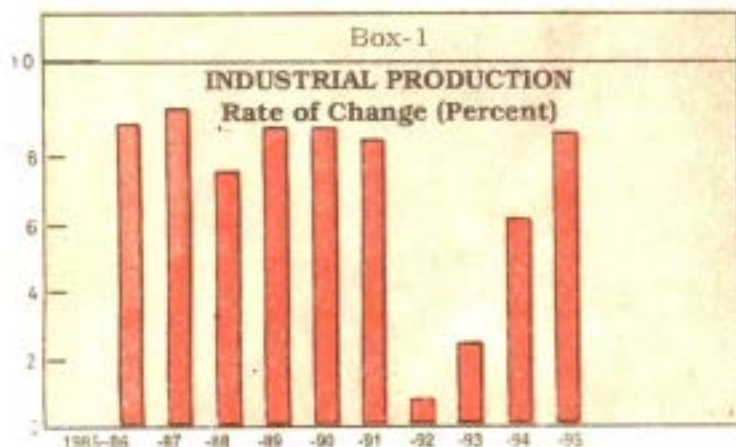
अर्थव्यवस्था ने वर्ष 1993-94 और 1994-95 प्रत्येक में लगभग 6.3 मिलियन रोजगार दिए हैं और मौजूदा वर्ष के दौरान 7.2 मिलियन

Chapter-1

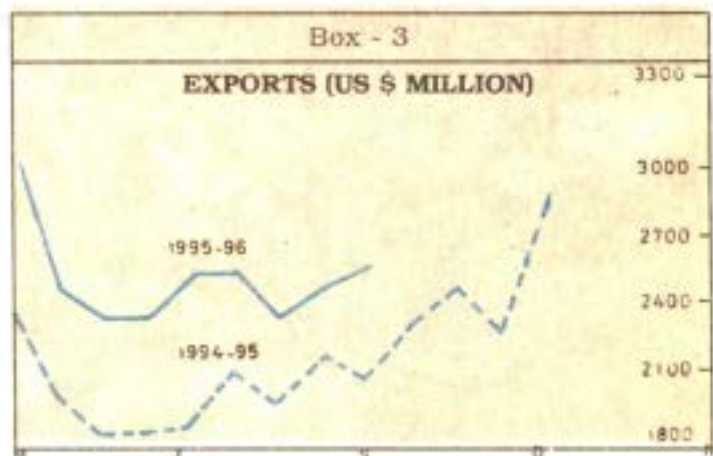
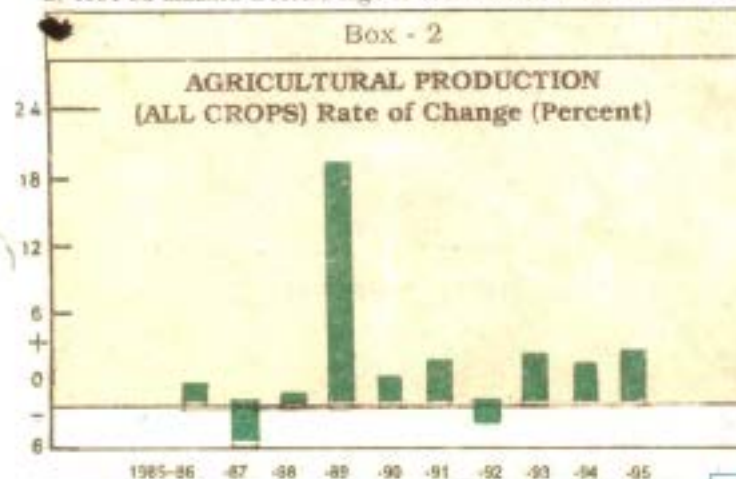
INDIAN COMMUNICATION SCENARIO - ISSUES & CHALLENGES

1.1 In the recent past, the Government of India has launched a series of economic reforms to move away from a regulated market economy to an open market system by restoring competition, modernisation of industries with a high-tech bias, reorientation of fiscal policies, providing a bigger role for the private sector in the economy and restructuring the public sector on a long-term perspective. These reforms have made spectacular progress. The rate of overall economic growth of 0.8% in 1991-92 has risen to about 6.3% in 1994-95. Industrial production, which virtually stagnated a few years back, grew by about 8.6% in 1994-95.

The value of export has increased by more than 18.5% during 1994-95.



Food-grain production which had declined to 168 million tonnes in 1991-92 attained a record high of 191.1 million tonnes in 1994-95.



In the process of economic reform the Government has reduced the level of external debt and the foreign currency reserves have also reached an all time high of about \$ 25.19 billion towards the end of 1994-95.



Foreign Exchange Reserves = Foreign Currency Assets + Gold + SDRs.

The economy has generated employment of about 6.3 million for each of the years 1993-94 and 1994-95 and 7.2 million additional employment during the present year. On October 9, 1995

अतिरिक्त रोजगार दिए हैं। 9 अक्टूबर, 1995 को श्री माइकल केमडेसरा, प्रबंध निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत से सुधारों के अगले चरण में सुविधा देने के लिए बृहत्-आर्थिक सुधारों के कार्यक्षेत्र और भविष्य में दिशा के लिए अपना कार्यक्रम तैयार करने के लिए अनुरोध किया है।

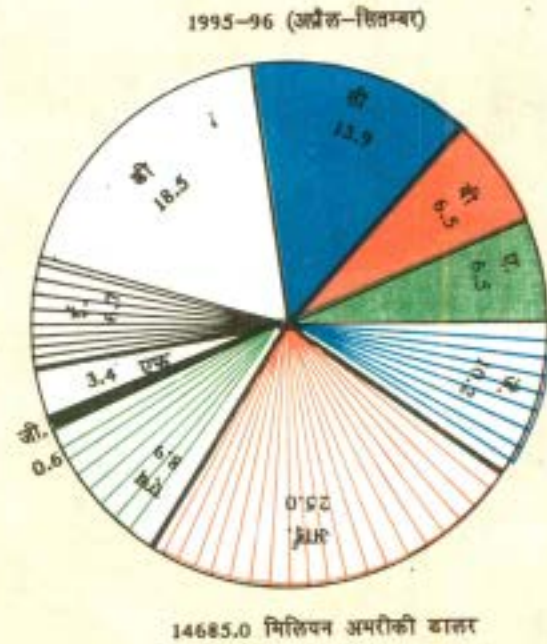
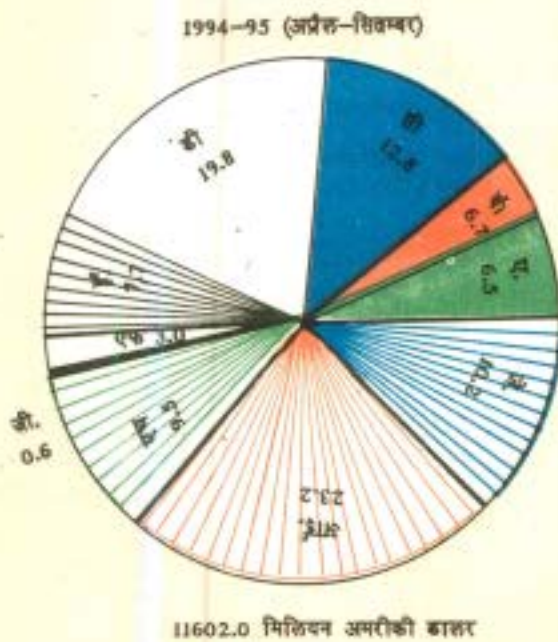
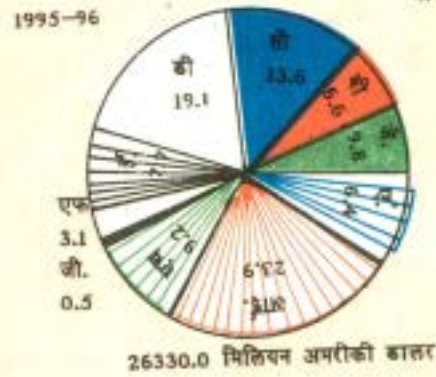
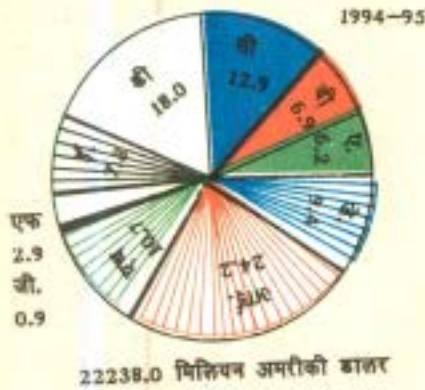
1.2 निर्यात में अत्याधिक वृद्धि के फलस्वरूप निर्यात प्रोसेसिंग जोन और निर्यातोन्मुख इकाइयों निर्यात संवर्धन का साधन बन रही हैं। राष्ट्रीय निर्यात में निर्यात प्रोसेसिंग जोन/निर्यातोन्मुख इकाइयों का हिस्सा जो 1990-91 में 5.16 प्रतिशत था, वह 1994-95 में बढ़कर 8.66 प्रतिशत हो गया।

बाक्स-5

भारत के निर्यात के गंतव्य स्थल (प्रतिशत)

- क. यू. के.
- ख. जर्मनी
- ग. अन्य पूर्वी योरोपीय
- घ. संयुक्त राज्य अमेरिका
- ङ. जापान

- च. रशिया
- छ. पूर्वी यूरोप
- ज. ओ. पी. ई. सी.
- झ. कम विकसित देश
- ञ. अन्य



Mr. Michael Camdessus, the Managing Director, IMF has called upon India to develop its agenda for future direction and scope of macro-economic reforms to facilitate launching of the next stage of reforms.

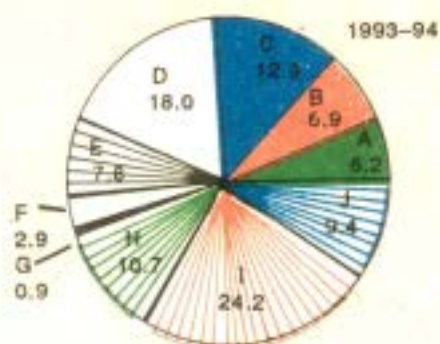
1.2 Leading the export surge, Export Processing Zones and Export Oriented Units are becoming instruments for export promotion. The share of EPZ/EOU exports in national exports has gone up from 5.16% in 1990-91 to 8.66% in 1994-95.

Box - 5

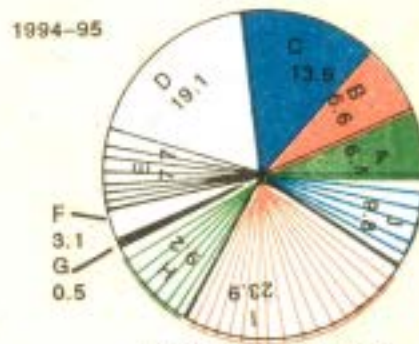
DESTINATION OF INDIA'S EXPORTS (Per cent)

- A. U.K.
- B. GERMANY
- C. OTHER E.U.
- D. U.S.A.
- E. JAPAN

- F. RUSSIA
- G. EAST EUROPE
- H. OPEC
- I. L.D.Cs
- J. OTHERS

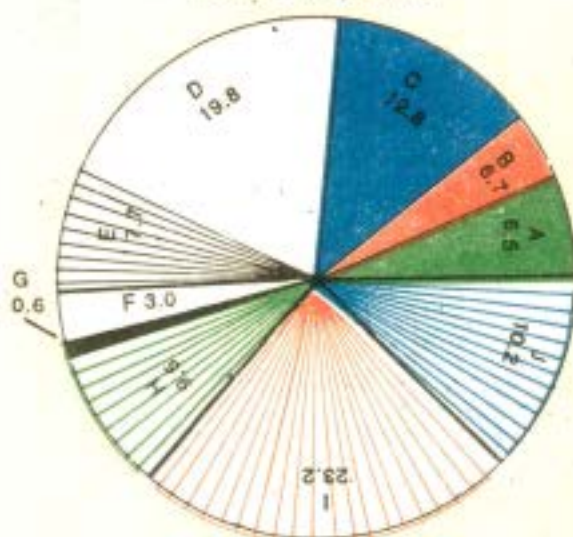


US \$ 22238.0 MILLION



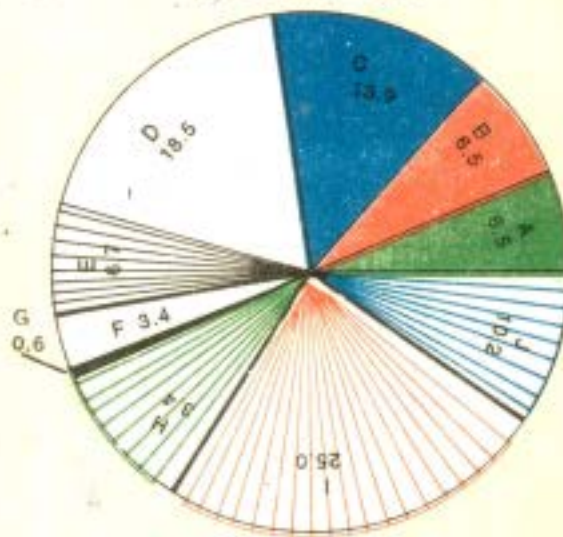
US \$ 26330.0 MILLION

1994-95 (APR. SEPT)



US \$ 11602.0 MILLION

1995-96 (APR-SEPT)



US \$ 14685.0 MILLION

इस खंड में रोजगार में भी 50,000 से 1,50,000 की तिगुनी वृद्धि हुई। इन इकाइयों को बाजार में अपनी निरंतर कुशलता और अपने निर्यात अर्जन को बनाए रखने के लिए राशियों के अंतरण, राशियों की प्राप्ति, नीभार प्रेषण और डाटा प्रेषण प्रणाली सुविधाओं के लिए स्थिर, द्रुतगामी और विश्वसनीय संचार आधारभूत ढांचे की आवश्यकता है।

1.3 यह पूर्वानुमान है कि 1996 में प्रौद्योगिकी पर व्यय, विशेष रूप से बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ेगा। अधिकांश बैंक उत्सुक हैं कि उनके ग्राहक उच्च लागत वाली शाखाओं के प्रयोग को कम करें और इलेक्ट्रॉनिक बैंक आउटमेन्ट के प्रयोग को बढ़ाएं, इसलिए वे दूरभाष अथवा निजी कम्प्यूटर द्वारा बैंकिंग की प्रणाली की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

1.4 इसी अवधि के दौरान भारतीय संचार बाजार में भी बहुत से सुधार हुए हैं। बुनियादी दूर-संचार क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया गया है और बहुत सी मूल्य वर्धित सेवाएं (वी.ए.एस.) जैसे सैल्यूल मोबाइल फोन, रेडियो, पेट्रिंग, इलेक्ट्रॉनिक मेल, वॉयस मेल, आडियो टेक्स सेवाएं, वीडियो टेक्स सेवाएं, वी.एस.ए.टी. का प्रयोग करके डाटा सेवाएं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग शुरू किए गए हैं।

1.5 वाक्स, टेक्स्ट और डाटा संचार के तीव्र साधन व्यापक रूप से फैल गए हैं। बहुत सी वित्तीय संस्थाएं और निगमित निकाय वी.एस.ए.टी. संचार प्रणाली अपना रही हैं। भारत इन्टरनेट प्रणाली का एक भाग बन गया है। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग ने दो निश्चित बिन्दुओं अथवा एक नेटवर्क के माध्यम से डाटा पारेषण के लिए आई-नेट भी शुरू किया है।

1.6 आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में नई पहलों का सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन विकास पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। कुशलता और अधिक उत्पादकता के लिए बहु कौशल की धारणा को बल मिल रहा है।

1.7 नई आर्थिक नीति और इसके फलस्वरूप अर्धव्यवस्था के उदारीकरण ने डाक संचार क्षेत्र के लिए बहुत सी चुनौतियां उपस्थित की हैं। विभाग ने उदारीकरण और सुधार की इस प्रक्रिया के प्रति अपने को उपयुक्त रूप से तैयार किया है। बाजार विश्वव्यापीकरण के बदले हुए परिदृश्य और संचार के क्षेत्र में उच्च तकनीक के प्रवेश को देखते हुए विभाग ने अपनी दृष्टि और मिशन को तैयार किया है।

वाक्स-6

दृष्टि और उद्देश्य

डाक का उद्देश्य भारत और पूरे विश्व में उच्च गुणवत्ता वाली डाक, पार्सल और संबद्ध सेवाएं प्रदान करना है; उपभोक्ताओं, कर्मचारियों और समाज के समस्त आंश से अधिक कुशल और उत्तम संगठन के रूप में पहचान बनाना, निम्नलिखित के द्वारा कार्य निष्पादित करना :

- * ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की भावना के प्रति पूर्ण समर्पण
- * कुशल और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता जिसे ग्राहक धन के लिए मूल्य समझता है।
- * प्रत्येक कर्मचारी के लिए चुनौती पूर्ण और लाभप्रद पेशे के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता।
- * देश के सामाजिक, औद्योगिक और वाणिज्यिक जीवन के एक भाग के रूप में जिम्मेदारियों की पूर्ण पहचान।
- * सभी क्षेत्रों में अग्रणी और प्रवर्तक बने रहने के लिए संपूर्ण उत्साह।

इसने समाज में अपनी भूमिका को आधुनिकीकरण के माध्यम से पुनः परिभाषित किया है। नई कार्यनीति का प्रामाणिक ग्राहक खण्डीकरण, नए उत्पाद पोर्टफोलियो विकसित करना, प्रोसेस रीइंजीनियरिंग इत्यादि।

वाक्स-7

नए उत्पाद पोर्टफोलियो

- * घरेलू/खुदरा ग्राहकों के लिए डाक/काउंटर सामाजिक उत्पादों का अलग पोर्टफोलियो।
- * कारपोरेट ग्राहकों के लिए डाक/काउंटर उपयोषिता उत्पादों के अलग-अलग पोर्टफोलियो।
- * घरेलू/खुदरा ग्राहकों के लिए अलग मूल्यवर्धित उपयोषिता उत्पाद।
- * कारपोरेट ग्राहकों के लिए डाक/काउंटर प्रीमियम उत्पादों के अलग-अलग पोर्टफोलियो।
- * विशिष्टतम परिवारों/खुदरा ग्राहकों के लिए प्रीमियम उत्पादों का अलग पोर्टफोलियो।

इसके लिए विशिष्ट ग्राहक सेवाओं के विकास की भी आवश्यकता है जैसे कि-

Employment in this segment has also increased threefold from 50,000 to 1,50,000. These units for their continued efficiency in the market and to sustain their export earnings require a stable, speedy and reliable communication infrastructure having facilities for fund transfer, fund receipt, cargo despatch and data despatch system.

1.3 There is a forecast that spending on technology will grow in 1996, specially in the banking sector. Most banks, eager to see their customers reduce use of high cost branches and step up use of electronic bank outlets, are shifting to systems for banking by phone or personal computer.

1.4 During the same period the Indian communication market has also undergone series of reforms. The basic telecommunication sector has been opened to the private sector and a series of Value Added Services (VAS) like, Cellular Mobile Phones, Radio Paging, Electronic Mail, Voice Mail, Audiotex Services, Videotex Services, Data Services using VSATs and Video Conferencing have been introduced.

1.5 Faster means of voice, text and data communication have become widespread. A large number of financial institutions and corporate bodies are moving towards VSAT communication system. India has become a part of the Internet System. In addition, the DOT has also launched I-NET for data transmission, either between two fixed points or through a network.

1.6 The new initiatives in the area of economic reform have a significant impact on Human Resource Development in the service sector. The concept of multi-skilling for efficiency and higher productivity is gaining ground.

1.7 The New Economic Policy and the consequent opening up of the economy has thrown up multiple challenges to the postal communication sector. The Department has appropriately responded to this process of liberalisation and reform. It has drawn up its Vision and Mission in the changed scenario of market globalisation and induction of high-tech in communication sector.

Box-6

VISION AND MISSION

The Mission of the Post is to provide high quality mail, parcel and related services in India and throughout the world; to be recognised as an efficient and excellent organisation exceeding the expectations of the customers, employees and the society; to perform the task by:

- * Total dedication to understanding fulfilling customer needs.
- * Total devotion to providing efficient and reliable services which the customers consider to be value for money.
- * Total commitment to providing challenging and rewarding career for every employee.
- * Total recognition of the responsibilities as a part of the social, industrial and commercial life of the country.
- * Total enthusiasm to be forward looking and innovative in all areas.

It has redefined its role in the society through a process of modernisation. The hall mark of the new strategy is customer segmentation, developing new product portfolios, process reengineering and so on.

Box-7

NEW PRODUCT PORTFOLIO

- * Separate portfolio of mail/counter social products for household/retail customers.
- * Separate portfolio of mail/counter utility products for corporate customers.
- * Separate value added utility products for household/retail customers.
- * Separate portfolio of mail/counter premium products for corporate customers.
- * Separate portfolio of premium products for elitist household/retail customers.

This also calls for development of customer specific services, such as:-

- (i) निर्यात क्षेत्रों में वायु/समुद्र/जलमूलक मार्गों के माध्यम से बाजार को पार्सलो और माल का संचलन;
- (ii) निधि अंतरण के लिए उपग्रह/दूरसंचार का उपयोग;
- (iii) प्राइवेट कूरियर और रेलवे, कंटेनर कारपोरेशन ऑफ इंडिया जैसे सरकारी विभागों के मुकाबले में डाक द्वारा माल निपटान के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए स्वीड पोस्ट जैसे मौजूदा उत्पादों का पुनर्गठन;
- (iv) "बिजनेस चैनल" को सुदृढ़ बनाना;
- (v) बाजार अनुसंधान और डाक उत्पादों का विपणन शुरू करना;
- (vi) उपयुक्त बाजार हस्ताक्षेप के लिए बहुमीडिया सक्षमताएं विकसित करना; और
- (vii) सेवा के दो कारकों को शामिल करने के लिए डाक को पुनर्गठित करना—व्यापक सामाजिक सेवा और ग्राहक वरीय उच्च प्रीमियम सेवा ।

1.8.1 परिवर्तन का एक अन्य आयाम सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कतिपय घटनाक्रमों द्वारा बढ़ा है । जिसमें राज्य ने अपनी जनसंख्या के लिए समग्र रूप से एक सुरक्षा नेट तैयार करने के लिए कृच्छेक नवीन उपाय किए हैं ।

- (i) महिला समृद्धि योजना—वित्तीय आस्तियों का सृजन करके ग्रामीण महिलाओं को समर्थ बनाने की एक योजना ।
- (ii) राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना— उन व्यक्तियों के लिए जो निराश्रित हैं और जिसकी आयु 65 वर्ष और इससे अधिक है (संख्या में 53 लाख) ।
- (iii) राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना—जीविका कमाने वाले प्रमुख व्यक्ति की मृत्यु पर गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए ।
- (iv) राष्ट्रीय प्रसूति लाभ योजना—गरीबी की रेखा से नीचे की महिलाओं के लिए ।
- (v) ग्रामीण सामूहिक बीमा योजना—गरीबी की रेखा से नीचे के लोगों को कवर करने के लिए ।

(vi) औद्योगिक/असंगठित क्षेत्र के कामगारों को मासिक पेंशन का भुगतान ।

1.8.2 इन सामाजिक सुरक्षा उत्पादनों के वितरण के लिए ग्रामीण नेट-वर्क का प्रयोग किया जा रहा है । इसीलिए सामाजिक सुरक्षा लाभों के वितरण के प्रभावी माध्यम के रूप में ग्रामीण डाकघरों के पुनर्गठन की आवश्यकता है ।

1.9 उपर्युक्त मुद्दों पर गतिविधियों की एक कार्य-सूची तैयार करने, सांस्कृतिक परिवर्तन की प्रक्रिया को तेज करने तथा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों को अपनाने के लिए विभाग के "मिशन" तथा इसके कार्य नीति संबंधी उद्देश्यों के अनुरूप एक कारपोरेट कार्रवाई योजना रिट्रीट" नामक एक संगोष्ठी में सभी सर्किलों के अध्यक्षों द्वारा सामूहिक रूप से तैयार की गई है । इस कार्रवाई योजना को "करनाटक कार्रवाई योजना 1995" नाम दिया गया है । विभाग की कारपोरेट नीति निर्माण प्रक्रिया में यह परिवर्तन उच्च वाटर मार्क का परिचायक है । जहां सभी सर्किलों के अध्यक्षों ने उपर्युक्त पंक्तियों में वर्णित आधुनिकीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु स्वयं ही एक 14 सूची चार्टर दिया ।

बाकस-8

कार्य नीति संबंधी उद्देश्य

- * कार्टर पर नई तकनीक वाली त्वरित और कुशल सेवा प्रदान करना ।
- * विशिष्ट ग्राहक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नई सेवाएं प्रदान करना ।
- * अधिक कर्मचारी संतुष्ट और ग्राहक को सुविधा प्रदान करने के लिए एक मैत्रीपूर्ण और अनुक्रियाशील कार्य वातावरण प्रदान करना ।
- * डाक का कुशल तथा समय संवेदी प्रोसेसिंग और वितरण ।

- (i) movement of parcels and cargos from the export areas to the market through air/sea/surface routes;
- (ii) using satellite/telecommunication for fund transfer;
- (iii) restructuring of the existing products like Speed Post for entering into the area of cargo handling by the Post in competition with the private couriers and Government departments like, Railways, Container Corporation of India;
- (iv) strengthening 'Business Channel';
- (v) initiating market research and marketing of postal products;
- (vi) developing multimedia capabilities for appropriate market intervention; and
- (vii) restructuring the Post to include two elements of service - universal social service and customer preferred high premium service.

1.8.1 Another dimension of change has been added by certain developments in the field of social security where the State has taken quite a few innovative steps for creating a safety net for its population as a whole. These schemes are as follows:

- (1) Mahila Samridhhi Yojana - a scheme to empower rural women by creating financial asset.
- (2) National Old Age Pension Scheme for those who are destitutes and aged 65 years and above (53 lakhs in number).
- (3) National Family Benefit Scheme for households below the poverty line on the death of the primary bread-winner.
- (4) National Maternity Benefit Scheme for women below poverty line.

- (5) Rural Group Insurance Scheme - to cover people below the poverty line.
- (6) Payment of monthly pension to industrial/unorganised sector workers.

1.8.2 For delivery of these social security products, rural postal network is being utilised. This calls for restructuring of the rural post offices as an efficient instrument of delivery of social security benefits.

1.9 To draw an agenda of activities on the above issues, to accelerate the process of cultural change and to own up the modernisation programmes, a corporate action plan in consonance with the 'Mission' of the Department and its strategic objectives has been drawn up by all the Heads of Circles putting their heads together in a symposium called, "Retreat". This Action Plan has been named as "Karnal Action Plan 1995". It is the high watermark of change in corporate policy-making process of the Department where all the Circle Heads gave unto themselves a 14 point charter to be executed to achieve the goals of modernisation on the lines stated above.

Box-8

STRATEGIC OBJECTIVES

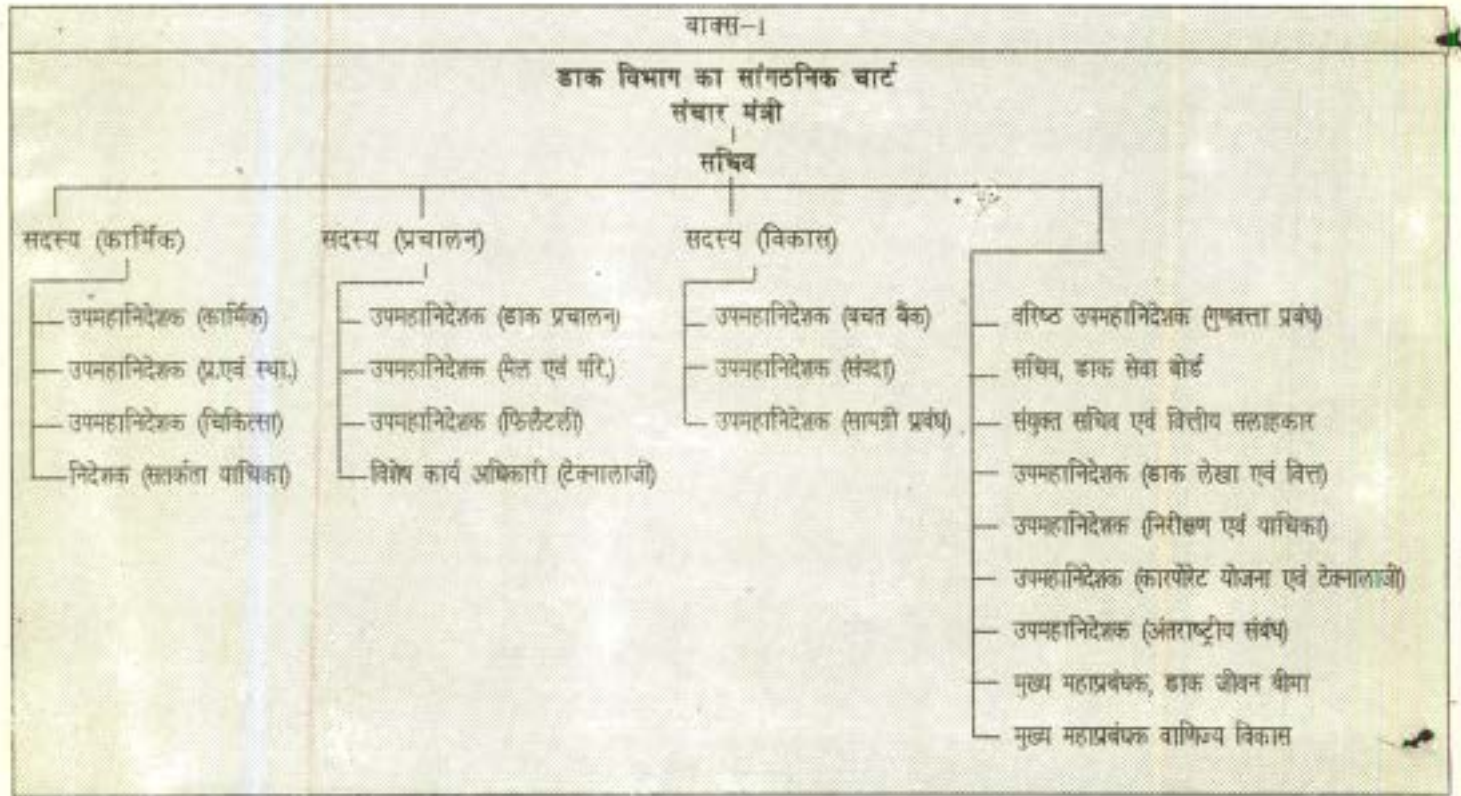
- * Providing speedy and efficient service across the counter with new technology.
- * Providing new services to meet specific customer-needs.
- * Providing a friendly and responsive work environment for greater employee satisfaction and facility for the customer.
- * Providing efficient and time-sensitive processing and delivery of mails.

अध्याय-2 संगठन

2.1 समीक्षाधीन अवधि के दौरान संचार मंत्रालय के तहत डाक विभाग संचार राज्य मंत्री श्री सुखराम (स्वतंत्र कार्यभार) के तहत ही कार्य करता रहा। इस अवधि के दौरान विभाग के सचिव श्री श.च. महालिक थे। अब विभाग संचार मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा के तहत कार्य कर रहा है और श्री र.उ.न. प्रसाद ने सचिव (डाक) का पदभार संभाल लिया है।

2.2 डाक सेवा बोर्ड, विभाग के शीर्ष प्रबंध निकाय, में अध्यक्ष और

तीन सदस्य हैं। सचिव, डाक विभाग बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ-साथ डाक महानिदेशक भी हैं। बोर्ड के तीन सदस्यों के पास प्रचालन, विकास और कार्मिक संविभाग हैं। विभाग में संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार बोर्ड का स्थायी आमंत्रित सदस्य है। बोर्ड की सहायता के लिए एक सचिव है जो निदेशालय का एक वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी है। मुख्यालय में बोर्ड की सहायता के लिए 18 उप महानिदेशक 21 निदेशक और 34 सहायक महानिदेशक हैं।



2.3 पूरे देश को डाक सेवाएं प्रदान करने के लिए 19 डाक सर्किलों में बांटा गया है। प्रत्येक सर्किल, पूर्वोत्तर सर्किल को छोड़कर जिसमें छः राज्य शामिल हैं, राज्य का सह-टर्मिनस है; महाराष्ट्र सर्किल में गोआ राज्य शामिल है; पश्चिम बंगाल सर्किल में सिक्किम राज्य और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं; केरल सर्किल में लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र और पंजाब सर्किल में चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र शामिल है; इन सर्किलों में प्रत्येक सर्किल की अध्यक्षता एक

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा की जाती है। प्रत्येक सर्किल को क्षेत्रों में बांटा गया है, जिनकी संख्या 40 है, जिनमें फोल्ड यूनिटों का समूह होता है जिन्हें डिवीजन कहा जाता है। (493 डाक/रेल डाक सेवा डिवीजन), शामिल हैं। प्रत्येक क्षेत्र की अध्यक्षता एक पोस्टमास्टर जनरल द्वारा की जाती है। जो क्षेत्र का डाक प्रबंधक होता है। सर्किलों और क्षेत्रों में सर्किल स्टाम्प डिपो, डाक भंडार डिपो और मेल मोटर सेवा आदि जैसी अन्य प्रकार्यात्मक यूनिटें भी होती हैं।

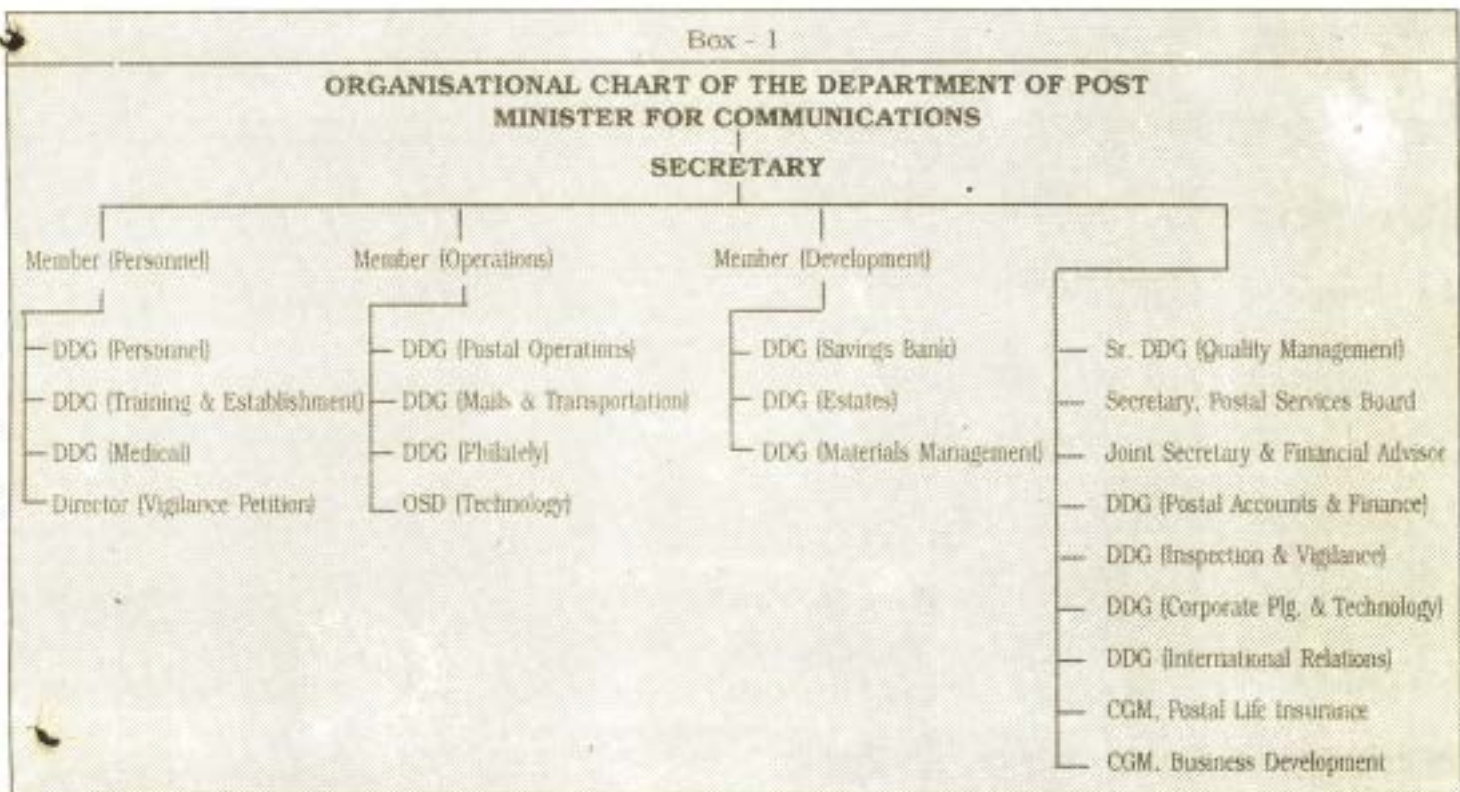
Chapter - 2 ORGANISATION

2.1 The Department of Post under the Ministry of Communications continued to function under Shri Sukh Ram, Minister of State for Communications (Independent charge), during the period under review. Shri S.C. Mahalik was the Secretary to the Department during the period. Now the Department is functioning under Shri Beni Prasad Verma, Minister for Communications and Shri R.U.S. Prasad has taken over as Secretary (Post).

2.2 The Postal Services Board, the apex management body of the Department, comprises the

Chairman and three Members. The Secretary, Department of Post, is the Chairman of the Board as also the Director General of Post. The three members of the Board hold portfolios of Operations, Development and Personnel. The Joint Secretary and Financial Advisor to the Department is a permanent invitee to the Board. Board is assisted by a Secretary, who is a senior staff officer of the Directorate. There are 18 Deputy Directors General, 21 Directors, 34 Assistant Directors General supporting the Board at the Headquarters.

Box - 1

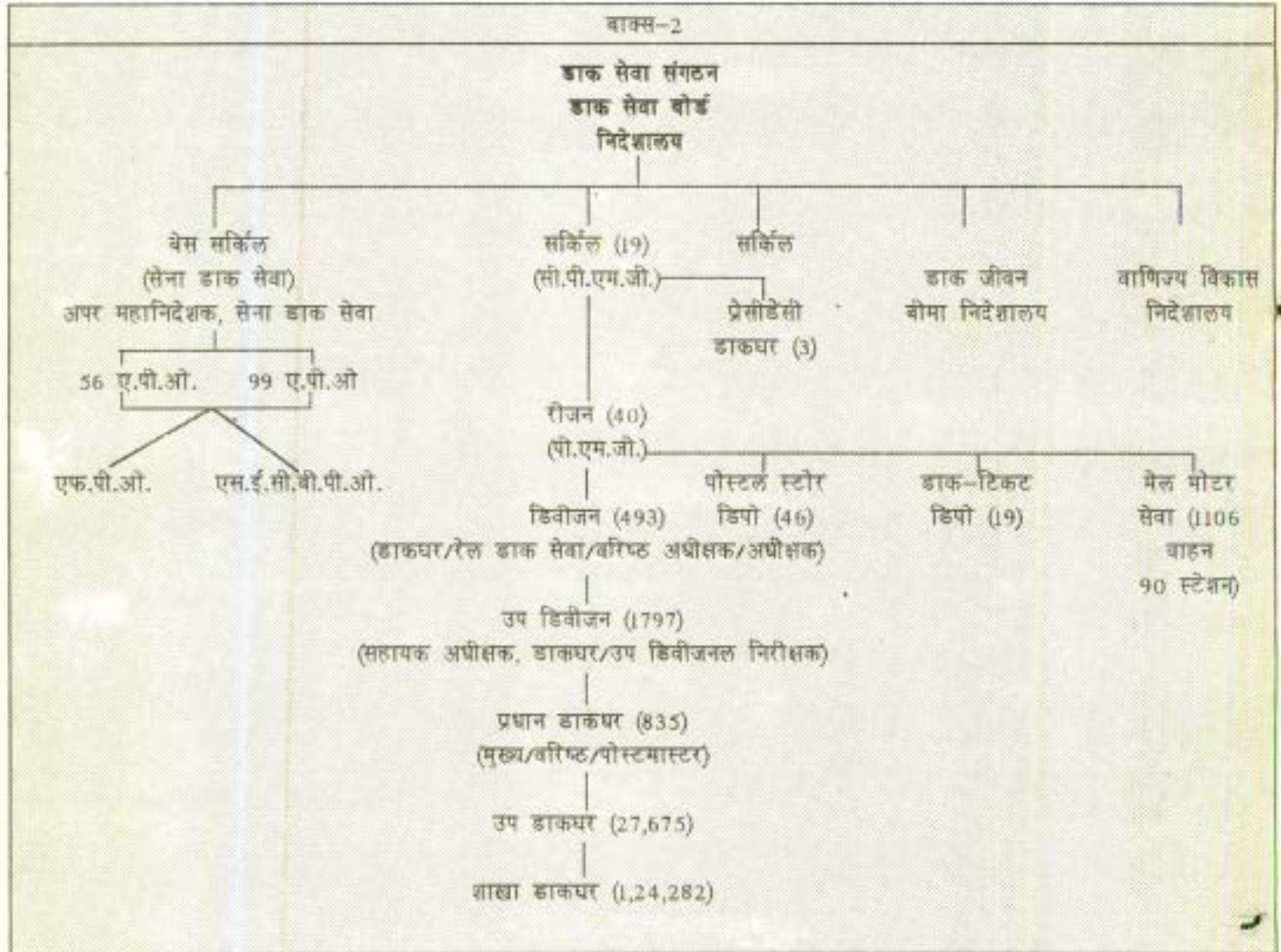


2.3 For providing postal services the whole country has been divided into 19 Postal Circles. Each Circle is co-terminus with a State except the North Eastern Circle which comprises six States; Maharashtra Circle includes the State of Goa; West Bengal Circle includes the State of Sikkim and the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands; Kerala Circle includes the Union Territory of Lakshadweep and Punjab Circle includes Union Ter-

ritory of Chandigarh. Each of these Circles is headed by a Chief Postmaster General. Each Circle is divided into regions, 40 in number, comprising groups of field units, called Divisions (493 Postal/RMS Divisions). Each region is headed by a Postmaster General who is the postal manager of the area. In the Circles and Regions there are other functional units, like, Circle Stamp Depots, Postal Stores Depots and Mail Motor Service, etc.

2.4 इन 19 सर्किलों के अतिरिक्त एक अन्य डाक सर्किल भी है, जिसे बेस सर्किल कहा जाता है, जो सशस्त्र सेनाओं की संचार संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। बेस सर्किल की अध्यक्षता अपर महानिदेशक, सेना डाक सेवा द्वारा की जाती है। सेना डाक सेवा के

अधिकारी संवर्ग में सिविल पदों से प्रतिनिधित्व पर अधिकारी होते हैं। सेना डाक सेवा के अन्य रैंकों के लिए 75 प्रतिशत भी इस विभाग से लिया जाता है और शेष कार्मिक सेना द्वारा भर्ती किए जाते हैं।



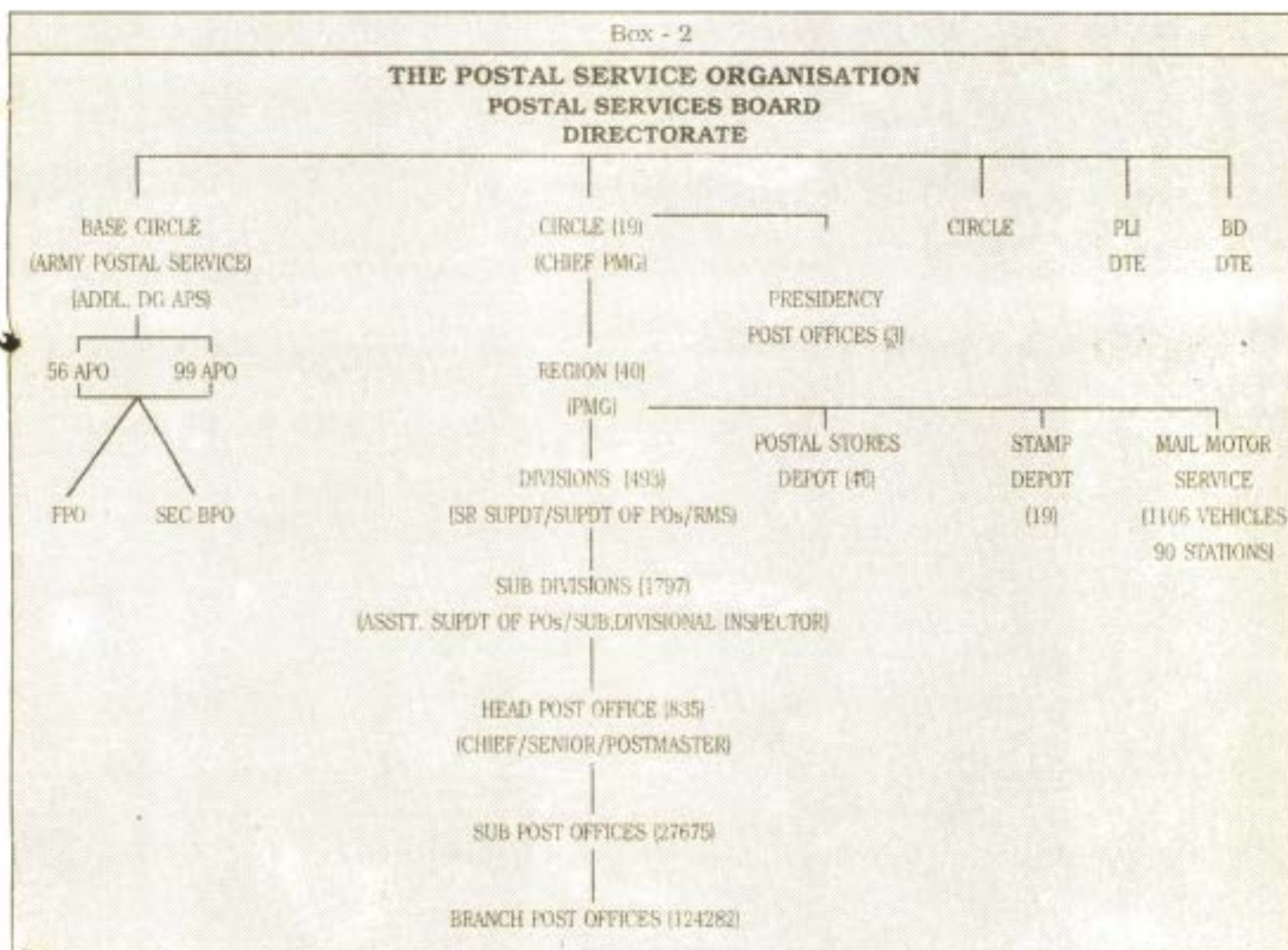
2.5 भारतीय डाकघरों को प्रधान, उप तथा शाखा डाकघरों में वर्गीकृत किया गया है। शाखा डाकघर ग्रामीण भारत में स्थित अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर हैं। कुछ को छोड़कर, उप-डाकघर विभागीय डाकघर हैं जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थित हैं। प्रधान डाकघरों को उनके कार्यभार और स्टाफ संख्या के अनुसार पांच श्रेणियों में विभक्त किया गया है, इनमें से सबसे बड़े डाकघर मुंबई और कलकत्ता का जी.पी.ओ. है, उसके बाद अहमदाबाद, बेंगलूर, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और मद्रास स्थित जी.पी.ओ. आते हैं।

2.6 समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभाग के सांगठनिक ढांचे का, जो दशकों तक अपरिवर्तित रहा, मुख्यालय और फील्ड स्तरों पर पुनर्गठन किया गया। पुनर्गठन प्रक्रिया का अविर्भाव संचार बाजार में प्रौद्योगिकी अधिष्ठापन के कारण पोस्ट द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के प्रत्युत्तरस्वरूप हुआ। पुनर्गठन परिवर्तन की सांक्रांतिक समस्याओं से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मुख्यतः कार्यात्मक आधार पर, उच्चतर प्रबंध की समन्वय भूमिका को समुचित महत्व देते हुए, किया गया है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं कि नेमी कार्य

2.4 Over and above these 19 Circles, there is another Postal Circle called Base Circle to cater to the postal communication needs of the armed forces. Base Circle is headed by Additional Director General, Army Postal Service. The officer cadre of the

Army Postal Service comprise officers on deputation from the Civil Post. 75% of the other ranks of the Army Postal Service is also drawn from the Department of Post and the remaining personnel are recruited by the Army.

Box - 2



2.5 Indian Post Offices are categorised as Head, Sub and Branch Post Office. Branch Post Offices are Extra Departmental Post Offices located in rural India. The Sub post offices excepting a few are departmental offices located in both rural and urban areas. Head Post Offices are graded into five categories according to their workload and staff strength, the biggest being the General Post Offices of Bombay and Calcutta, followed by GPOs at Ahmedabad, Bangalore, Delhi, Kanpur, Lucknow and Madras.

2.6 During the period under report the organisational set up of the Department which remained unchanged for decades underwent restructuring at the Headquarters as well as at the field levels. The restructuring process emerged as a response to the challenges faced by the Post in the communications market due to induction of technology. Restructuring is designed to tackle the transitional problems of change. It has been done primarily on functional basis giving due importance to the coordination role of the higher manage-

सुचारु रूप से निष्पादित किए जायें ताकि निर्णयकर्ता अन्य मुद्दों में उलझने की बजाए नीति-निर्माण और संस्था निर्माण जैसे वास्तविक महत्व के कार्यकलापों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। निर्णयकर्ताओं के अभिसमर्थन के लिए पारंपरिक प्रणाली को डेस्क स्तर प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। ये सुधार प्रणाली को उस गतिशीलता और सामर्थ्य से अनुप्राणित कर देंगे जिनकी एक अनुक्रियाशील, संवेदनशील, प्रभावी और कुशल प्रबंध प्रणाली सृजित करने के लिए

आवश्यकता है। फील्ड स्तर पर कंप्यूटर प्रणालियों के हाइवियर और साफ्टवेयर सहायता प्रदान करने के लिए टेक्नालॉजी सृजित करने के लिए पुनः प्रशिक्षण द्वारा 77 तकनीकी कार्मिकों की एक यूनिट की पुनः रचना की जा रही है। जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है। सभी डाक सर्किलों ने आधुनिकीकरण के परिणामस्वरूप प्रचालन स्टाफ को पुनः तैनात करना प्रारंभ कर दिया है।

तालिका				
पुनः तैनात कार्मिक (31.12.95 तक की स्थिति के अनुसार)				
सर्किल	डाक सहायक/ छंटाई सहायक	डाकिये	समूह "घ"	कुल
आंध्र प्रदेश	85	30	24	139
असम	29	2	15	46
बिहार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
दिल्ली	11	70	2	83
गुजरात	32	42	20	94
हरियाणा	17	1	5	23
हिमाचल प्रदेश	3	शून्य	शून्य	3
जम्मू एवं कश्मीर	8	1	1	10
कर्नाटक	17	34	5	56
केरल	84	22	15	121
मध्य प्रदेश	5	1	1	7
महाराष्ट्र	239	55	55	349
उत्तर पूर्व	7	1	शून्य	8
उड़ीसा	10	7	2	19
पंजाब	43	5	11	59
राजस्थान	20	8	7	35
तमिलनाडु	52	23	47	122
उत्तर प्रदेश	49	14	12	75
पश्चिम बंगाल	25	शून्य	शून्य	25
जोड़	736	316	222	1274



ment. Attempts have been made to ensure that routine functions get performed well so that decision-makers focus on really important activities like, strategy formulations and institution building rather than bogged down in fire fighting. The traditional pyramid system is being substituted with desk level system to support the decision-makers. These reforms will infuse the system with dynamism and strength that are needed

to create a responsive, sensitive, efficient and vibrant management system. At the field level, a unit consisting of 77 technical personnel is being re-structured by retraining to create a technology group to provide hardware and software support to the computer systems. All Postal Circles have started redeployment of operative staff as a sequel to modernisation as indicated in the Table below:-

TABLE
PERSONNEL REDEPLOYED (As up to 31.12.1995)

Circle	PA/SA	Postman	Group D	Total
Andhra Pradesh	85	30	24	139
Assam	29	2	15	46
Bihar	Nil	Nil	Nil	Nil
Delhi	11	70	2	83
Gujarat	32	42	20	94
Haryana	17	1	5	23
Himachal Pradesh	3	Nil	Nil	3
J & K	8	1	1	10
Karnataka	17	34	5	56
Kerala	84	22	15	121
Madhya Pradesh	5	1	1	7
Maharashtra	239	55	55	349
North East	7	1	Nil	8
Orissa	10	7	2	19
Punjab	43	5	11	59
Rajasthan	20	8	7	35
Tamil Nadu	52	23	47	122
Uttar Pradesh	49	14	12	75
West Bengal	25	Nil	Nil	25
Total	736	316	222	1274

अध्याय-3 आधुनिकीकरण

3.1 देश में घटित हुए नाटकीय सामाजिक आर्थिक परिवर्तनों और दूरसंचार क्रांति के अनुरूप विभाग ने प्रौद्योगिकी अधिष्ठापन के माध्यम से अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए गतिविधियों का आधुनिकीकरण स्वीकार किया है। आधुनिकीकरण की इस प्रक्रिया में परिवर्तन के निम्नलिखित पहलू सम्मिलित हैं:-

- (क) प्रौद्योगिकी में परिवर्तन
- (ख) ग्राहक रूपरेखा में परिवर्तन;
- (ग) प्रोसेस रीडिजीनियरिंग;
- (घ) मानव संसाधन विकास

3.2 इस प्रकार तैयार की गई कार्य-नीति दोहरे स्वरूप वाली होगी। एक ओर मूल डाक सेवाओं की बेहतर बनाने के प्रयास जारी रहेंगे

और दूसरी ओर वे नई मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान की जा रही हैं जिनकी आज ग्राहक को आवश्यकता है और जिनके लिए वह मूल्य चुकाने को तैयार है।

3.3 विभाग ने अपनी सेवाओं के लिए स्पष्ट वित्तीय और वास्तविक लक्ष्यों सहित विस्तृत योजना तैयार की है। वित्तीय लक्ष्य और उपलब्धियां तालिका-1 में और वास्तविक लक्ष्य और उपलब्धियां तालिका-2 में देखी जा सकती हैं।

3.4.1 मैल मानीटरिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण के प्रयोजन से एक ऑन लाइन एम.आई.एस. जिसे मैलनेट कहा जाता है, को 1994-95 के दौरान 17 लाख रुपये की लागत से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सर्किलों में लगाया गया है तथा पश्चिम बंगाल और

तालिका-1
वित्तीय लक्ष्य और उपलब्धियां

	1994-95		1995-96	
	आबंटन	वास्तविक	(आबंटन)	(करोड़ रुपये में)
1. प्रौद्योगिकी उन्नयन	आबंटन	29.84	}	42.69
	वास्तविक	33.81		
2. बचत बैंक कम्प्यूटीकरण	आबंटन	0.50		
	वास्तविक	0.52		
3. प्रचालन उपकरणों का उन्नयन	आबंटन	1.12	}	
	वास्तविक	2.94		
4. आधुनिकीकृत ग्राहक सेवा केन्द्र	-	-		0.30

Chapter - 3 MODERNISATION

3.1 In tune with the dramatic socio-economic changes and telecommunication revolution that has taken place in the country, the Department has accepted modernisation of its activities through induction of technology as its survival kit. This process of modernisation covers the following aspects of change:

- (a) Changes in Technology;
- (b) Changes in customer profile;
- (c) Process Reengineering; and
- (d) Human Resource Development.

3.2 The strategic approach so developed will be bifocal. On the one hand, efforts will continue to

improve the basic postal services and, on the other, new value-added services are being provided which customers need today and are willing to pay for such services.

3.3 The Department has drawn up detailed plan for modernisation of its services with clear financial and physical targets. The financial targets and achievements, may be seen in Table-1 with the physical targets and achievements in Table-2.

3.4.1 In order to modernise mail monitoring system, an on-line MIS, called MAILNET, has been set up at a cost of Rs. 17 lakhs during 1994-95 in Tamil Nadu, Andhra Pradesh, Karnataka and Maharashtra

**Table-1
FINANCIAL TARGETS AND ACHIEVEMENTS**

		1994-95	1995-96
		(Allocation)	
		(Rs. in Crores)	
1.	Upgradation of Technology	Allocation	Rs. 29.84
		Actual	Rs. 33.81
2.	SB Computerisation	Allocation	Rs. 0.50
		Actual	Rs. 0.52
3.	Upgradation of Operational Equipment	Allocation	Rs. 1.12
		Actual	Rs. 2.94
4.	Modernised Customer Care Centre	—	0.30

तालिका-2

वास्तविक लक्ष और उपलब्धियाँ

प्रायोगिकी उन्नयन	1994-95		1995-96	
	लक्ष	प्राप्ति	लक्ष	प्राप्ति
1. आधुनिकीकृत डाकघर	53	115	550	
2. काउंटर सेवाओं का कंप्यूटीकरण (एम.पी.सी.एम.)	1000	1500	1000	
3. वी.एस.ए.टी. नेटवर्क के लिए माइक्रो अर्थ स्टेशनों की स्थापना	6	26	49	
4. स्पीड पोस्ट के लिए कंप्यूटरीकृत ट्रेक एंड ट्रेस प्रणाली शुरु करना	2	2	20	
5. डाकघर के लिए एल.ए.एन. सुविधा	-	-	100	
6. प्रीमियम बचत बैंक योजना	1	1	2	
7. आटोमेटिड-मेल प्रोसेसिंग केंद्र	1	1	-	
8. इलेक्ट्रॉनिक क्रैकिंग मशीन शुरु करना	40	40	-	
9. बेहतर मशीननिर्मित हस्त विरूपक	20,000	17,000	3,000	
10. आटोमेटिक डाक-टिकट विरूपक मशीन	135	120	15	
11. ग्राहक सेवा केन्द्र	-	-	6	

गुजरात सर्किल तक इस प्रणाली का विस्तार करने के लिए 8 लाख रु. की मंजूरी दे दी गई है। मेलनेट ई-मेल की भांति कंप्यूटर के माध्यम से आंकड़ें अंतरित करने की प्रणाली है और यह मेल संचालन की दिन-प्रतिदिन की मानीटरिंग के लिए मेल आफिसों और संबंधित सर्किल कार्यालयों के बीच संपर्क स्थापित करती है।

3.4.2. 71 लाख रुपये के परिव्यय सहित दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के चुनिंदा मेल आफिसों में रजिस्टर्ड मेल ब्रांच का कंप्यूटरीकरण प्रोसेस रीइंजीनियरिंग की दिशा में एक अन्य कदम है। 7.31 लाख रुपये की लागत से मुंबई जी.पी.ओ. और वेगमपेट

डाकघर, हैदराबाद में पंजीकरण वितरण कार्य को भी रीइंजीनियर किया गया है।

वाक्स-1

प्रोसेस रीइंजीनियरिंग

अभिन्न प्रायोगिकी के माध्यम से ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नए उत्पादों की शुरुआत से प्रोसेसिंग की परंपरागत प्रणाली को पुनः डिजाइन किया जाना है और पृथक-पृथक उत्पादों का अनुक्रम निर्धारित करने के लिए परस्पर प्राथमिकता निर्धारित की जानी है।

Table-2
PHYSICAL TARGETS AND ACHIEVEMENTS

Upgradation of Technology	1994-95		1995-96
	Target	Achievment	Target
1. Modernised Post Offices	53	115	550
2. Computerisation of Counter Services (MPCMs)	1000	1500	1000
3. Installation of micro-earth stations for VSAT Network	6	26	49
4. Introduction of computerised Track & Trace System for Speed Post	2	2	20
5. LAN facility for Post Office	—	—	100
6. Premium Savings Bank Scheme	1	1	2
7. Automated Mail Processing Centre	1	1	—
8. Introduction of Electronic Franking Machine	40	40	—
9. Improved Machine-made hand cancellors	20000	17000	3000
10. Automatic Sta-up Cancelling Machine	135	120	15
11. Customer Care Centres	—	—	6

Circles and Rs. 8 lakhs have been sanctioned for extending the system to West Bengal and Gujarat Circle. MAILNET is a data transfer system like E-Mail through computer and provides communication between mail offices and the respective Circle offices for day-to-day monitoring of mail movement.

3.4.2 Computerisation of Registered Mail Branch in selected mail offices of Delhi, Maharashtra, Tamilnadu and Andhra Pradesh with an outlay of Rs. 71 lakhs is another step towards process re-engineering. Registration delivery work has also been reengineered at Bombay GPO and at

Begumpet Post Office, Hyderabad at a cost of Rs. 7.31 lakh.

Box - 1

PROCESS RE-ENGINEERING

With the introduction of new products through new technology, catering to varying needs of the customers, the traditional system of processing has to be redesigned and inter se priority to be fixed in determining sequencing of the separate product streams.

अध्याय-4 मानव संसाधन विकास

4.1 विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 2,86,000 से अधिक है और विभागों के पास सुविकसित प्रशिक्षण संबंधी आधारभूत ढांचा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभाग ने आधुनिकीकरण कार्यक्रमों और जारी पुनर्गठन प्रक्रिया को प्रोत्साहन देने और सुदृढ़ करने के प्रयोजन से डाक प्रचालनों में प्रौद्योगिकी अधिष्ठापन के अनुरूप मानव संसाधन विकास की अपनी नीति में आमूलचूल परिवर्तन किया है। इसने कर्मचारियों की दक्षता के उन्नयन और उनके ज्ञानाधार का विस्तार करने के प्रयोजन से, संस्थागत और ऑन-जाब, दोनों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है।

प्रशिक्षण संबंधी आधारभूत ढांचा

4.2 विभाग के प्रशिक्षण संबंधी आधारभूत ढांचे में निम्नलिखित संस्थाएँ शामिल हैं:-

- पोस्टल स्टाफ कालेज, भारत, गाजियाबाद।
- सहारनपुर, बड़ोदरा, मैसूर, दरभंगा और मदुरै स्थित डाक प्रशिक्षण केन्द्र।

पोस्टल स्टाफ कालेज

4.3 गाजियाबाद स्थित पोस्टल स्टाफ कालेज विभाग के प्रबंधकीय संघर्षों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने वाली शीर्ष संस्था है। यह संस्था डाक सेवाओं के विभिन्न पहलुओं पर यूनिवर्सल पोस्टल यूनिफन, बर्न, एशिया-प्रशांत डाक प्रशिक्षण केन्द्र, बैंकाक जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के तत्वावधान में विदेश डाक संगठनों से संबंधित अधिकारियों के लाभ के लिए अनेक कार्यशालाओं का आयोजन भी करती है।

4.4 "वाणिज्य विकास" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 16-20 जनवरी, 1995 को एशिया-प्रशांत डाक प्रशिक्षण केन्द्र, बैंकाक द्वारा पोस्टल स्टाफ कालेज, गाजियाबाद में आयोजित किया गया।

4.5 1 अप्रैल, 1994 से 31 मार्च, 1995 की अवधि के दौरान कालेज द्वारा 10 प्रवेश और 9 सेवाकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। कुल मिलाकर इन पाठ्यक्रमों में 310 अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें 6 विदेशी छात्र भी शामिल थे। अप्रैल 1995 से 31 मार्च, 1996 की

अवधि के दौरान कालेज द्वारा 9 प्रवेश और 8 सेवाकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इन पाठ्यक्रमों में कुल मिलाकर 275 अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवधि के दौरान 137 अधिकारियों को कम्प्यूटर अनुप्रयोग में प्रशिक्षित किया गया है।

डाक प्रशिक्षण केन्द्र

4.6 ये केन्द्र जिनकी संख्या पांच है, विभाग के नए भर्ती किए गए कर्मचारियों तथा निरीक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने, मध्य प्रबंध संघर्षों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित करने तथा प्रचालन और पर्वेक्षी स्टाफ को कार्य-स्थल पर प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के प्रयोजन से डिजाइन किए गए हैं।

4.7 इन केन्द्रों में 31.3.1995 और 31.3.1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान क्रमशः 14,536 और 14,282 कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने पर भी विशेष बल दिया गया है।

4.8 निरीक्षण, प्रशिक्षण आवश्यकताएं तथा स्पीड पोस्ट पर तीन संगोष्ठियाँ 1994-95 के दौरान डाक प्रशिक्षण केन्द्र बड़ोदरा में आयोजित की गईं। कुल मिलाकर इन तीन संगोष्ठियों में 40 कर्मचारियों ने भाग लिया।

4.9 डाक प्रशिक्षण केन्द्र, मैसूर में प्रवेश प्रशिक्षण के भाग के रूप में प्रशिक्षण खेल आरंभ किए गए हैं।

4.10 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रवेश स्तर पर और अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत, दोनों स्तरों पर प्रशिक्षार्थियों को कम्प्यूटर पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ स्थापित कर सभी केन्द्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं का उन्नयन किया गया।

4.11 जैसे कि पहले उल्लेख किया जा चुका है, कार्टर सेवा, अन्वेषण प्रबंध, बीमा सेवा के आधुनिकीकरण तथा बचत बैंक प्रचालन के उन्नयन के लिए विभाग ने कम्प्यूटीकृत टैक्नालाजी आरंभ की है। कम्प्यूटीकृत

Chapter-4

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

4.1 The Department with a man power strength of over 2,86,000 has a well developed training infrastructure. During the year under report the Department has overhauled its policy of human resource development in tune with the introduction of technology in postal operations to sustain and reinforce the modernisation programmes and the ongoing restructuring process. It has worked out extensive training programme, both institutional as well as on-job, for upgradation of skills of the employees and to expand their knowledge base.

Training Infrastructure

4.2 The training infrastructure of the Department consists of the following institutions:-

- * Postal Staff College, India, Ghaziabad.
- * Postal Training Centres at Saharanpur, Vadodara, Mysore, Darbhanga and Madurai.

Postal Staff College

4.3 Postal Staff College of India at Ghaziabad is the apex training institute of the Department catering to the training needs of the managerial cadres of the Department. The institution also organises workshops on different aspects of the postal services under aegis of international agencies such as the Universal Postal Union, Berne, Asia-Pacific Postal Training Centre, Bangkok etc. for the benefit of officers belonging to the foreign Postal Administrations.

4.4 A training programme on "Business Management" was organised at Postal Staff College, Ghaziabad by the Asian Pacific Postal Training Centre, Bangkok from January 16-20, 1995.

4.5 During the period from 1st April, 1994 to 31st March, 1995, 10 induction and 9 inservice courses were conducted by the College. In all 310 officers including 6 foreign students participated in these

courses. During the period from 1st April, 1995 to 31st March, 1996, 9 induction and 8 inservice courses were conducted by the College. In all 275 officers participated in these courses. During this period 137 officers have been trained in Computer Application also.

Postal Training Centres

4.6 These Centres, five in number, are designed to impart training to Inspectors and to new recruits of the Department, organise orientation courses for middle management cadres and to train trainers for imparting training at work place to the operative and supervisory staff.

4.7 14,536 and 14,282 officials have been imparted training during the period ending 31.3.95 and 31.3.96 respectively in these centres. Special emphasis has also been laid on imparting training through the medium of Hindi.

4.8 Three seminars on Inspection, Training Needs and Speed Post were held at Postal Training Centre, Vadodara during 94-95. In all 40 officials participated in these three Seminars.

4.9 In PTC, Mysore training games have been introduced as part of the induction training.

4.10 During the year under review training facilities were upgraded in all the centres by setting up computer laboratories for imparting training on computer to the trainees both at the induction level as well as under orientation training programmes.

4.11 As has been stated earlier, the Department has introduced computerised technology for upgrading counter service, inventory management, modernising insurance service and Savings Bank Operations. Induction of a new cadre of personnel (EDP) to handle computerised work stations would have been an easy solution but this could have

कार्य स्टेशनों का काम संभालने के लिए कार्मिकों का एक नया संवर्ग शुरु करना एक सरल समाधान हो सकता है किंतु इससे स्टाफ फालतू हो जाता। इस समस्या से निपटने के लिए यह निर्णय किया गया कि पुनः प्रशिक्षण के माध्यम से और उन्हें संबंधित योग्यता अर्जित करने और कर्मचारियों की रोजगार समृद्धि के माध्यम से बेहतर कार्य संतुष्टि लाने के लिए मौजूदा कार्यशक्ति की दक्षता का उन्नयन किया जाए। बहुदेशीय काउंटर मशीनों पर 1820 से अधिक व्यक्तियों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है और 1000 और व्यक्तियों को पहले ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डाक जीवन बीमा कार्य के लिए 285 व्यक्तियों को कंप्यूटर पर प्रशिक्षित किया गया है और इतने ही व्यक्तियों को बचत बैंक कार्य के लिए प्रशिक्षित किया गया है। वी.एस.ए.टी. प्रणाली के प्रचालन पर 100 से अधिक व्यक्तियों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है।

4.12 विभाग के आधुनिकीकरण को नई परियोजनाओं/कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों का पुनः प्रशिक्षण नई प्रशिक्षण, नीति का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है। इसने नई नीति संबंधी पहलुओं के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहचान की है:-

1. शॉप फ्लोर आपरेटरो के लिए प्रशिक्षण
2. प्रणाली पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण
3. प्रणाली प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण
4. उच्चतर प्रबंध के लिए प्रशिक्षण

4.13 प्रशासनिक कार्यालयों तथा डाकघरों में लगभग 2500 अधिकारी और 2,86,000 कर्मचारी हैं। छह प्रशिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध मौजूदा सुविधाओं के उपयोग द्वारा बहुत अधिक संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों को पुनः प्रशिक्षित करने में बहुत अधिक समय लगेगा। यह आकलित किया गया है कि प्रशासनिक कार्यालयों में लगाए गए कंप्यूटर सिस्टमों और डाकघरों में लगाई गई बहुदेशीय काउंटर मशीनों को चलाने के लिए विभाग को 2700 व्यक्तियों के प्रचालन स्टाफ और 100 पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षित मानवश्रम की तत्काल आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, मौजूदा प्रायोगिकी नीति में प्रतिवर्ष कम से कम 1000 मशीनों के अधिष्ठापन और प्रतिवर्ष 70-80 वी.एस.ए.टी. स्टेशनों को स्थापित करने और कम्प्यूटरीकरण के अन्य कार्यक्रमों के निष्पादन की भी परिकल्पना की गई है। इन सबके लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता है। जिसके लिए मौजूदा प्रशिक्षण केंद्रों में उपलब्ध सुविधायें अपर्याप्त हैं। अतः यह निर्णय लिया गया है कि कंप्यूटर के क्षेत्र में इन हाउस प्रशिक्षण सुविधाओं और प्रतिष्ठित बाह्य प्रशिक्षण संस्थाओं, दोनों की सेवाओं का प्रयोग किया जाए। इलेक्ट्रानिक्स विभाग के परामर्श से विभाग ने कम्प्यूटर प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त प्रतिष्ठित संस्थाओं की एक सूची तैयार की है। वित्तीय शक्तियां सर्किलों के अध्यक्षों को प्रत्यायोजित की गई हैं। ताकि वे इनमें से किसी भी संस्था में प्रशिक्षण के लिए अपना स्टाफ तथा अधिकारी प्रतिनियुक्त कर सकें। इस प्रशिक्षण डिजाइन के बारे में सर्किलों को भी परामर्श दिया गया है। वर्ष 1994-95 के दौरान विभाग प्रशिक्षण पर 2.25 करोड़ रु. व्यय कर चुका है।



मद्रास आटोमैटिक मेल प्रोसेसिंग सेंटर में कोडिंग डेस्क

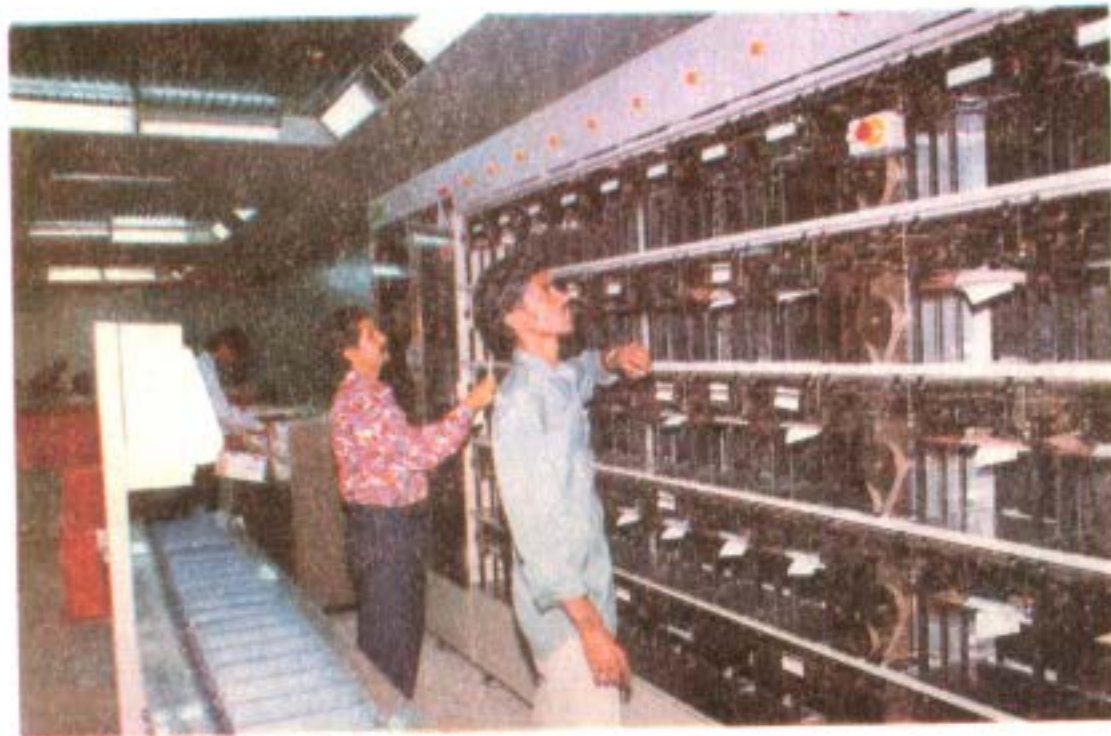
resulted in redundancies. To overcome this problem, it was decided to upgrade the skill of the existing work force through re-training, by encouraging them to acquire relevant qualifications and to bring about better job satisfaction through job enrichment of the employees. Over 1,820 persons have already been trained on multipurpose counter machines and 1,000 more are being trained. 285 persons have been trained on computers for Postal Life Insurance work and an equal number for Savings Bank work. Over 100 persons have been trained already on operation of V-SAT System.

4.12 Retraining of the personnel as well as of the officers to sustain Department's new projects/programmes of modernisation is another important aspect of the new training policy. It has identified the following training programmes for new policy initiatives:

1. Training for shop floor operators.
2. Training for systems supervisors.
3. Training for systems administrators.
4. Training for higher management.

4.13 The Department has about 2,500 officers and about 2,86,000 staff in administrative and post

offices. To retrain a large number of officers and staff by utilising the existing facilities available at the six training institutions will be a time-consuming effort. It has been estimated that merely to support the multipurpose counter machines at the post offices and the computer systems set up in the administrative offices, the Department immediately needs trained manpower to the extent of 2,700 operative staff and 100 supervisors. That apart, the existing technology policy envisages induction of at least 1,000 machines per year, setting up 70-80 VSAT stations every year and executing other computerisation programmes. All these call for a massive training programme for which facilities available in the existing training centres are inadequate. It has, therefore, been decided to utilise both the in-house training facilities and the services of reputed outside training institutions in the field of computer. In consultation with the Department of Electronics, the Department has prepared a list of reputed institutions specialising in the field of computer training. Financial powers have been delegated to the Heads of Circles to depute their staff and officers for training in any of these institutions. The Circles have been advised about these training design also. The Department has spent an amount of Rs. 2.25 crores on training during the year 1994-95.



LETTER SORTING MACHINE IN AUTOMATIC MAIL PROCESSING CENTRE, MADRAS

अध्याय-5 प्रचालन तथा कार्यकलाप

प्रस्तावना

5.1 विभाग के कार्यकलाप निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं:-

- (1) डाक प्रचालन
- (2) एजेंसी कार्य

5.2 डाक कार्यों में डाक नेटवर्क का विस्तार डाक निपटान, एकत्रण और वितरण, डाक स्टेशनरी की विक्री तथा मनीऑर्डर, पंजीकरण, बीमाकृत पार्सल, फिलैटली आदि जैसी अन्य सेवाएं प्रदान करना शामिल है। एजेंसी कार्य वे कार्य हैं जो विभाग अन्य मंत्रालयों और विभागों की ओर से निष्पादित करता है जैसे-बचत बैंक, डाक जीवन बीमा, औद्योगिक श्रमिकों/सेवा कर्मिकों/ कोयला खनिकों को पेंशन का भुगतान, तारों की बुकिंग/पारेषण और वितरण आदि। 1,52,792 डाकघरों के माध्यम से वे सभी कार्यकलाप देश के कानि-कानि में फले हुए हैं।

डाक नेटवर्क

5.3 भारतीय डाक नेटवर्क विश्व का विशालतम डाक नेटवर्क है। देश के सामाजिक एकीकरण और आर्थिक विकास के एक कारगर साधन के रूप में इसने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। इसने सरकार के अन्य सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के अलावा ग्रामीण पुनरुद्धार और अल्प वचतों के संवर्धन में एक साधन के रूप में भी कार्य किया है।

5.4 दिनांक 31.3.1995 की स्थिति के अनुसार देश में 1,52,792 डाकघर थे, इनमें से 16,710 डाकघर शहरी क्षेत्र में तथा 1,36,082 डाकघर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। एक डाकघर औसतन 21.48 वर्ग कि.मी. क्षेत्र को तथा 5526 व्यक्तियों को सेवा प्रदान करता है जो कि अन्य देशों की तुलना में काफी अच्छी स्थिति है।

तालिका-1

डाकघरों की संख्या और एक डाकघर द्वारा सेवित क्षेत्र और जनसंख्या

	वर्ष	भारत	अमेरिका	ऑस्ट्रेलिया	ब्राजील	फ्रांस	इंग्लैंड	जापान	पाकिस्तान	चीन	जिम्बाब्वे
1. स्थायी डाकघरों की कुल संख्या	1993	152382	50056	-	12766	16877	19782	24359	13196	52969	198
	1994	152786	50087	3992	11017	16919	19603	20817	13285	64482	280
2. एक स्थायी डाकघर द्वारा सेवित औसत क्षेत्र (व. कि.मी.)	1993	21.58	187.24	-	666.77	32.68*	12.34	15.51	60.33	181.18	1972.63
	1994	21.52	187.13	1932.21	772.62	32.60	12.45	18.15	59.92	148.83	1394.93
3. एक स्थायी डाकघर द्वारा सेवित आबादी की औसत संख्या	1993	5800.62	5156.63	-	11877.94	3416.48	2941.56	5119.26	9305.85	22586.90	54444.44
	1994	6012.14	5203.95	4468.94	13954.80	3413.15	2978.12	6002.79	9530.30	18746.95	39821.43

Chapter-5

OPERATIONS AND ACTIVITIES

Introduction

5.1 The activities of the Department fall under the following categories:-

- (i) Postal Functions.
- (ii) Agency Functions.

5.2 The Postal functions include expansion of postal network, mail handling, collection and delivery, sale of postal stationery and providing other services, like, money order, registration, insured parcel, philately, etc. The agency functions are those which the Department performs on behalf of the other Ministries and Departments, like Savings Bank, Postal Life Insurance, payment of pensions to industrial workers/service personnel/coal miners, booking/transmission and delivery of telegrams, etc. All these activities are spread over

the length and breadth of the country with 1,52,792 outlets.

POSTAL NETWORK

5.3 Indian postal network is the largest in the world. It has served well as an instrument of social integration and economic development of the country. It has also served as a means of rural regeneration, promotion of small savings in addition to achieving other socio-economic goals of the government.

5.4 As on 31.3.95 there were 1,52,792 post offices in the country of which 16,710 were in the urban sector and 1,36,082 in the rural sector. A post office serves an area of 21.48 sq. kms. on an average, and a population of 5526 persons, which compares favourably with other countries.

Box- 1

NUMBER OF POST OFFICES & AREA/POPULATION SERVED BY A POST OFFICE

	Year	India	U.S.A.	Australia	Brazil	France	U.K.	Japan	Pakistan	China	Zimbabwe
1. Total No. of permanent post Offices	1993	152382	50056	—	12766	16877	19782	24359	13196	52969	198
	1994	152786	50087	3992	11017	16919	19603	20817	13285	64482	280
2. Average area covered by a permanent office (Sq. Km.)	1993	21.58	187.24	—	656.77	32.68	12.34	15.51	60.33	181.18	1972.63
	1994	21.52	187.13	1932.21	774.62	32.60	12.45	18.15	59.92	148.83	1394.93
3. Average No. of inhabitants served by a permanent post office	1993	5800.62	5156.63	—	11872.94	3416.48	2941.56	5119.26	9305.85	22586.80	54444.44
	1994	6012.14	5203.95	4468.94	13954.80	3413.15	2978.12	6002.79	9530.30	18746.95	39821.43

5.5 आठवीं योजना अवधि के प्रथम तीन वर्षों 1280 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर तथा 350 विभागीय उप डाकघर खोलने के लक्ष्य की तुलना में क्रमशः 1306 और 262 की मंजूरी प्रदान की गई जिसमें 9.9 करोड़ रुपये का व्यय शामिल था। वर्ष 94-95 में 31 विभागीय उप डाकघर और 4 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर की मंजूरी दी गई। संसाधनों की कमी के कारण इतने अधिक डाकघर नहीं खोले जा सके।

5.6 संसाधनों की कमी की समस्या से निपटने के लिए विभाग द्वारा पंचायत संचार सेवा नामक नई योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत मौजूदा पंचायत अवसंरचना की सहायता से बेहतर डाक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। पंचायत संचार सेवा द्वारा आधारभूत डाक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। यह नई योजना चालू वर्ष में प्रारंभिक योजना के आधार पर पांच राज्यों यथा हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक और गुजरात के 500 ग्रामों में शुरू की जा रही है।

डाक

डाक प्रबंध

5.7 ग्राहक अभिरूचि, डाक की संरचना और पैटर्न में परिवर्तन और रेल संचालन पैटर्न में परिवर्तन को मद्देनजर रखते हुए डाक प्रबंध के क्षेत्र में नई पहल और सुधारों का सिलसिला प्रारंभ किया गया है। ये इस प्रकार हैं:-

- 1) डाक में बधाई/आमंत्रण कार्डों में असाधारण वृद्धि हुई है। इस प्रकार की डाक को प्रथम श्रेणी की डाक का दर्जा देते हुए इनके लिए अलग से व्यवस्था की गई है। जहां कहीं भी इस श्रेणी की डाक का पोषण लाभकारी होगा, इसे हवाई परिवहन द्वारा भेजा जाएगा।
- 2) समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के निपटान हेतु अलग से व्यवस्था

की गई है। इस प्रकार की समय-संबंधित मदों का विशिष्ट रूप से निपटान सुनिश्चित करने के लिए कुछ शहरों में पत्रिका चैनल (पीरियॉडिकल चैनल) नामक एक नया चैनल शुरू किया गया है।

- 3) महानगरो/औद्योगिक शहरों में अत्याधिक मात्रा में प्राप्त होने वाली डाक, जो कुल डाक की मात्रा का लगभग 45 प्रतिशत होती है, के निपटान हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। अत्याधिक मात्रा में डाक भेजने वाले प्रेषकों को पहले से छांटी गई डाक देने का आग्रह किया जा रहा है। पहले से छांटी गई डाक के लिए उन्हें डाक-शुल्क में प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। इस प्रकार की डाक के निपटान हेतु अलग से डाकघर खोले गये हैं जिन्हें कारपोरेट डाकघर कहा जाता है। सामान्य परेलू डाक के कार्य का दबाव कम करने की दृष्टि से पहले से छांटी गई अत्याधिक मात्रा की डाक के निपटान हेतु दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, मद्रास, बंगलूर, हैदराबाद और अहमदाबाद महानगरों में केन्द्रीय वैगिंग यूनिट नामक यूनिटें अलग से खोली गई हैं।
- 4) दिल्ली, मुंबई, मद्रास, हैदराबाद और बंगलूर में स्थित प्रचालन तथा प्रशासनिक कार्यालयों के प्रबंध सूचना के एक साथ आदान-प्रदान तथा तत्काल उपचारात्मक उपाय करने की दृष्टि से एक कंप्यूटरीकृत डाक मनीटरिंग प्रणाली (मैल-नेट) की शुरुआत की गई है।
- 5) महानगरीय शहरों में नबविकसित इलाकों में वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रयोगात्मक आधार पर डाक वितरण हेतु पोस्टमैनों को मोपेड प्रदान करने की एक नई स्कीम शुरू की गई है। यह प्रयोग दिल्ली और मुंबई में शुरू किया गया है।

डाक्स-2

वितरण परिदृश्य

	वर्ष	भारत	अमेरिका	ऑस्ट्रेलिया	ब्राजील	फ्रांस	इंग्लैंड	जापान	पाकिस्तान	चीन	जिम्बाब्वे
1. लीटर डाकों की संख्या	1993	497475	283000	-	22707	137700	120000	164409	26293	187966	281
	1994	511946	283100	13285	22380	136564	120000	163547	26351	193902	281
2. डाकघर चान्दों की संख्या	1993	93562	19000000	-	459257	290000	2200	104195	30042	समू नहीं	54674
	1994	98745	20200000	1092399	719328	290000	69000	104398	39470	समू नहीं	63281
3. कितनी प्रतिशत जनसंख्या को डाक वितरण घर पर किया जाता है	1993	100.00	98.50	-	74.00	100.00	100.00	समू नहीं	60.00	समू नहीं	52.00
	1994	100.00	98.50	86.00	74.00	100.00	100.00	समू नहीं	60.00	समू नहीं	52.00
4. कितनी प्रतिशत जनसंख्या को डाक स्थापना से डाक प्राप्त करने पड़ता है	1993	0.00	1.50	-	25.80	0.00	0.00	समू नहीं	25.00	समू नहीं	47.00
	1994	0.00	1.50	14.00	25.80	0.00	0.00	समू नहीं	25.00	समू नहीं	47.00
5. प्रति आवादी बाल क्षेत्र में प्रेषित पत्रों डाक वस्तुओं की औसत संख्या	1993	समू नहीं	6.54.96	-	25.79	436.63	286.15	193.04	5.88	समू नहीं	24.67
	1994	1386	670.50	231.23	27.03	419.18	299.21	192.35	3.25	6.33	26.43

5.5 In the first three years of the 8th Plan period, 1306 EDBOs and 262 DSOs were sanctioned as against a target of 1280 and 350 respectively involving an expenditure of Rs. 9.9 crore. In 94-95, 31 DSOs and 4 EDBOs were sanctioned. Because of resource crunch, more post offices could not be opened.

5.6 To tide over the problem of resource crunch, the Department has formulated a new scheme called Panchayat Sanchar Sewa. This scheme seeks to provide better postal facilities by harnessing the existing Panchayat infrastructure. The Panchayat Sanchar Sewa will provide basic postal services. This new scheme is being introduced in the current year in 500 villages on pilot project in 5 states of Himachal Pradesh, Uttar Pradesh, Orissa, Karnataka and Gujarat.

MAIL

Mail Management

5.7 In the area of mail management a series of new initiatives and reforms have been introduced in response to customer preferences, change in composition and pattern of mail and change in rail movement pattern. These are as follows:-

(1) There has been phenomenal increase in greeting/invitation card mail. Separate arrangements have been made for this class of mail by treating them as first class mail. This category of mail will be given air transmission wherever such transmission will be advantageous.

- (2) Separate arrangements have been made for handling newspapers and periodicals. A new channel, called, periodical channel, has been introduced in some cities to ensure exclusive handling of such time-sensitive items.
- (3) Exclusive arrangement has been made for handling of bulk mails which constitute about 45% of total mail volume in the metros/industrial cities. The bulk mailers are being persuaded to tender presorted mail. They are provided incentives in postage for pre-sorting of mail. Separate post offices, called Corporate Post Office, have been opened for dealing with this type of mail. Separate units, called, Kendriya Bagging Units, in the metro cities of Delhi, Bombay, Calcutta, Madras, Bangalore, Hyderabad and Ahmedabad have been opened to handle pre-sorted bulk mail to ease out pressure from normal household mail.
- (4) A computerised mail monitoring mechanism (Mail Net) has been introduced in operative and administrative offices in Delhi, Bombay, Madras, Hyderabad and Bangalore for simultaneous exchange of management information and taking immediate remedial measure.
- (5) For beefing up delivery system in the newly developed localities in the metropolitan cities a new scheme of providing mopeds to postmen for distribution of dak has been introduced on an experimental basis. This experiment has been started in the cities of Delhi & Bombay.

Box- 2

DELIVERY SCENARIO											
	Year	India	U.S.A.	Australia	Brazil	France	U.K.	Japan	Pakistan	China	Zimbabwe
1. No. of letter boxes	1993	497475	283000	—	22707	137700	120000	164409	26293	187966	281
	1994	511946	283100	13285	22380	136564	120000	165547	26351	193902	776
2. No. of Post Offices boxes	1993	93562	1900000	—	459257	290000	2200	104195	30042	N.A.	51674
	1994	98745	2020000	1092399	710328	290000	69000	104398	39470	N.A.	63281
3. % of population having mail delivered at home	1993	100.00	98.50	—	74.00	100.00	100.00	N.A.	60.00	N.A.	52.00
	1994	100.00	98.50	86.00	74.00	100.00	100.00	N.A.	60.00	N.A.	52.00
4. % of Population having to collect mail from postal establishment	1993	0.00	1.50	—	25.80	0.00	-0.00	N.A.	25.00	N.A.	47.00
	1994	0.00	1.50	14.00	25.80	0.00	0.00	N.A.	25.00	N.A.	47.00
5. Average No. of letter post items posted per per inhabitant	1993	N.A.	654.96	—	25.79	436.63	286.15	193.04	5.88	N.A.	24.67
	1994	13.86	670.50	231.23	27.03	419.18	299.21	192.35	3.25	6.33	26.43

- 6) डाक को सुपर फास्ट ट्रेनों, जैसे शताब्दी एक्सप्रेस से भेजने के लिए विभाग द्वारा रेलवे विभाग के साथ विशेष व्यवस्था की गई है।
- 7) डाक के हवाई पारेषण के लिए अब इंडियन एयर लाइन्स के अतिरिक्त प्रमुख प्राइवेट एयर लाइन्स से भी अनुबंध किया गया है।

5.8 अलग खण्डों में विभक्त करके डाक के निपटान के अच्छे परिणाम सामने आये हैं। मेट्रो चैनल, राजधानी चैनल और बिजनेस चैनल द्वारा न केवल विशेष श्रेणी की डाक का समुचित ध्यान रखा जाता है बल्कि इसके माध्यम से घरेलू डाक के निपटान में भी तेजी आई है। राजधानी चैनल को दिनांक 16-8-95 से बकाया राजधानियों अर्थात् आइजोल, इम्फाल, इटानगर और कोहिमा से भी जोड़ दिया गया है और इस प्रकार डाक के तीव्र पारेषण हेतु दिल्ली को सभी राज्यों की राजधानियों से जोड़ दिया गया है।

वाक्स-3

छंटाई कार्यालय

	वर्ष	भारत	अमेरिका	आस्ट्रेलिया	ब्राजील	फ्रांस	इंग्लैंड	जापान	पाकिस्तान	चीन	जिम्बाब्वे
छंटाई कार्यालयों की कुल संख्या	1993	549	360	-	117	133	697	9	45	उपलब्ध नहीं	0
	1994	573	360	153	49	100	716	2	46	उपलब्ध नहीं	0

डाक परिमाण

5.9 वर्ष 94-95 के दौरान निपटाई गई अपंजीकृत डाक परिणाम की संख्या 1328.54 करोड़ रही जबकि पिछले वर्ष इसकी सदृश संख्या 1271.69 करोड़ थी इस प्रकार इसमें 4.47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान पंजीकृत डाक परिणाम की संख्या 32.23 करोड़ थी जबकि पिछले वर्ष इसकी सदृश संख्या 33.42 करोड़ थी इस प्रकार इसमें 3.56 प्रतिशत की कमी आई है।

5.10 विभाग द्वारा 3355.6 करोड़ रुपये मूल्य के 10.19 करोड़ मनीऑर्डरों का पारेषण किया गया जबकि पिछले वर्ष 3182.6 करोड़ रुपये मूल्य के 9.87 करोड़ मनीऑर्डरों का पारेषण किया गया था, इस प्रकार इसकी मात्रा में 3.2 प्रतिशत की और मूल्य में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

स्पीड पोस्ट

5.11 घरेलू स्पीड पोस्ट सेवा के व्यापार में बहुत बनी रही। इसके वार्षिक परिणाम में 4.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 94-95 के दौरान विभाग द्वारा 1.24 करोड़ वस्तुओं का निपटान करके 54.17 करोड़

रुपये का राजस्व अर्जित किया गया जबकि पिछले वर्ष विभाग द्वारा 50.12 करोड़ रुपये मूल्य की 1.09 करोड़ वस्तुओं का निपटान किया गया था। इस प्रकार इस वर्ष के दौरान राजस्व अर्जित करने की दिशा में 8.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

5.12 दिसम्बर, 1995 तक मौजूदा नेटवर्क में देहरादून, गुड़गांव, नासिक, कोर्टायम, सिलीगुड़ी, गंगटोक और उदयपुर में कुल सात नए स्पीड पोस्ट केन्द्र खोले गये, इस प्रकार इनकी कुल संख्या अब 70 हो गई है।

5.13 बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ नई नीतियां अमल में लाई गई हैं। ये इस प्रकार हैं:-

- 1) बड़ी मात्रा में डाक भेजने वाले ग्राहकों को अब परिमाण छूट दी जा रही है।
- 2) डाक सर्किलों को स्पीड पोस्ट नेटवर्क अंडर लिंक ऑफ सर्विस योजना के तहत प्वाइंट-टू-प्वाइंट स्पीड पोस्ट केन्द्रों को राष्ट्रीय स्पीड पोस्ट नेटवर्क- से जोड़ने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

(6) The Department has entered into a special arrangement with the Railway Department for conveyance of mail through super fast trains, like Shatabdi Express.

(7) Air transmission of mail has now been contracted out to major private airlines besides Indian Airlines.

5.8 Segmented mail handling has yielded results. Metro Channel, Rajdhani Channel and Business Channel have not only taken care of the mail of the particular category but has accelerated handling of household mail. Rajdhani Channel has been extended to the remaining four capitals viz. Aizwal, Imphal, Itanagar and Kohima with effect from 16.8.95 thereby linking Delhi with all State capitals for expeditious mail transmission.

Box- 3

SORTING OFFICES

	Year	India	U.S.A.	Australia	Brazil	France	U.K.	Japan	Pakistan	China	Zimbabwe
No. of Sorting offices	1993	549	360	—	117	133	697	9	45	N.A.	0
	1994	573	360	163	49	100	716	2	46	N.A.	0

Mail Volume

5.9 During the year 94-95 the unregistered mail traffic handled was 1328.54 crore pieces as compared to the corresponding figures of last year of 1271.69 crore, an increase of 4.47%. The registered mail traffic during the period was 32.23 crore pieces which, as compared to the corresponding figure of last year of 33.42 crore, showed a decline of 3.56%.

5.10 The Department transmitted 10.19 crore money orders valuing Rs. 3355.6 crore as compared to 9.87 crore money orders, valuing Rs. 3182.6 crore, showing an increase of 3.2% in volume and 5.4% in value.

Speed Post

5.11 The domestic Speed Post service maintained its up swing in business. The annual growth in traffic was to the tune of 4.68%. During the year 94-95, the Department handled 1.24 crore articles earning a revenue of Rs. 54.17 crore as compared to 1.09 crore pieces valuing Rs. 50.12 crore during the

previous year. Revenue earning registered an increase of 8.10% during the year.

5.12 Upto December 1995, seven new Speed Post Centres at Dehradun, Gurgaon, Nasik, Kottayam, Siliguri, Gangtok and Udaipur were added to the existing network, taking the total to 70.

5.13 Some new policy initiatives have been taken in response to the need of the market. These are as follows:-

- (i) A volume discount is now being offered to all bulk customers.
- (ii) Postal Circles have been permitted to connect point to point Speed Post Centres to the national Speed Post network under the scheme, "Speed Post network under link up service".
- (iii) Tariff has been rationalised making three different rates for local, within 500 kms. and

3) शुल्क वसूल करने की पद्धति युक्तियुक्त बनाई गई है। जिसमें विभिन्न भार समूहों अर्थात् 200 ग्राम तक, 201 ग्राम से 500 ग्राम तक और इसके बाद प्रत्येक अतिरिक्त किलोग्राम अथवा उसके भाग के लिए स्थानीय 500 किलोमीटर के भीतर और 500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए तीन विभिन्न दरें निर्धारित की गई हैं। नई शुल्क दरें दिनांक 1.12.95 से प्रभावी होंगी।

5.14 मुंबई और दिल्ली दो महानगरों में कंप्यूटर आधारित नेटवर्क पर ट्रेक एंड ट्रेस प्रणाली शुरू की गई है। शीघ्र ही यह सुविधा अहमदाबाद, कलकत्ता, मद्रास, बेंगलूर, पुणे और हैदराबाद को प्रदान की जाएगी।

फिलैटली

5.15 दिनांक 1.4.94 से 31.3.95 तक 32 स्मारक/विशेष डाक-टिकट जारी किए गए। इन डाक-टिकटों में सत्यजीत राय, बड़ौदा संग्रहालय और सिनेमा के 100 वर्ष पर डाक-टिकटों के सीटानेट शामिल थे।

5.16 वर्ष 1995-96 के दौरान निम्नलिखित विषयों पर डाक-टिकट जारी किए गए:-

1. तमिल अभ्युपन	जनवरी, 95
2. भारतीय विज्ञान अकादमी	जनवरी, 95
3. सिनेमा के 100 वर्ष	जनवरी, 95
4. सार्क युवा वर्ष	जनवरी, 95
5. रेडियो संचार के 100वर्ष	मई, 95
6. संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र	जून, 95
7. ए.पी.पी.टी.सी.	सितम्बर, 95
8. गांधी जी	अक्तूबर, 95
9. एफ.ए.ओ.	अक्तूबर, 95
10. टाटा इंस्टीट्यूट ऑव फंडामेंटल रिसर्च	फरवरी, 96
11. करतूरवा ट्रस्ट	फरवरी, 96
12. हृदय शल्य चिकित्सा के 100 वर्ष	फरवरी, 96
13. ऋतु रंग (चार डाक-टिकटों का सेट)	मार्च, 96
14. क्रिकेट इंडिया- (चार डाक-टिकटों का सेट)	मार्च, 96
15. पी० कुंजी लाल दुबे	मार्च, 96

5.17 पूरे देश में 51 फिलैटली ब्यूरो और 199 फिलैटली काउंटरों के माध्यम से डाक-टिकटों की फिलैटलिक विक्री संचालित की जाती है।

5.18 वर्ष 1994-95 के दौरान निम्नलिखित पांच राज्य स्तरीय फिलैटली प्रदर्शनियां आयोजित की गईं।

बाईपेक्स-94	पटना, बिहार सर्किल में दिनांक 16-19 नवंबर 94 को।
कनपेक्स-94	बेंगलूर, कर्नाटक सर्किल में दिनांक 11-14 नवंबर, 94 को।
गुजपेक्स-94	अहमदाबाद, गुजरात सर्किल में दिनांक 2-4 दिसम्बर, 94 को।
महापेक्स-94	मुंबई, महाराष्ट्र सर्किल में दिनांक 28-30 दिसंबर, 1994 को।
केरापेक्स-94	कालीकट, केरल सर्किल में दिनांक 24-27 जनवरी, 1995 को।

वर्ष 1995-96 के दौरान निम्नानुसार दो राज्य स्तर की प्रदर्शनियां आयोजित की गईं :

- गोआपेक्स-95	पणजी, गोआ सर्किल में 18-20 दिसम्बर, 1995
- वेस्टाना	सेलम शहर, तमिलनाडु सर्किल में 26-28 जनवरी, 1996

5.19 वर्ष 1994-95 के दौरान विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय फिलैटली प्रदर्शनियों में भाग लिया जिनके नाम इस प्रकार हैं :-

सिंगापेक्स	सिंगापुर में दिनांक 31-8-94 से 4.9.94 तक
फिलाकोरिया	सियोल, दक्षिण कोरिया में 16 अगस्त, 1994 से 25 अगस्त, 1994 तक

वर्ष 1995-96 के दौरान विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय फिलैटलिक प्रदर्शनियों में भाग लिया, जिनके नाम नीचे दिए गए हैं:

- फिमलैण्डिया-95	हेलसिंकी में 10-5-95 से 15-5-95 तक
- जकार्ता - 95	जकार्ता में 19-8-95 से 25-8-95 तक
- सिंगापुर - 95	सिंगापुर में 1-9-95 से 10-9-95 तक

beyond 500 kms. In three different weight slabs viz. upto 200 gms. from 201 gms. to 500 gms. and thereafter for every additional kgm. or part thereof. This new tariff has been made effective from 1.12.95.

5.14 Track and Trace system has been introduced on a computer based network in the two metros of Bombay and Delhi. This facility is being extended to Ahmedabad, Calcutta, Madras, Bangalore, Pune and Hyderabad shortly.

PHILATELY

5.15 32 Commemorative/Special Postage Stamps were issued from 1.4.94 to 31.3.95. These issues include setenants of Satyajit Ray, Baroda Museum and 100 Years of Cinema.

5.16 The following thematic stamps were issued during the year 1995-96:

1. Tamil Studies	Jan. 1995
2. Indian Science Academy	Jan. 1995
3. 100 Years of Cinema	Jan. 1995
4. SAARC Youth Year	Jan. 1995
5. 100 Years of Radio Communication	May 1995
6. UN Charter	Jan. 1995
7. APPTC	Sep. 1995
8. Gandhiji	Oct. 1995
9. F.A.O.	Oct. 1995
10. TIFR (Tata Institute of Fundamental Research)	Feb. 1996
11. Kasturba Trust	Feb. 1996
12. 100 Years of Cardiac Surgery	Feb. 1996
13. Ritu Rang (Set of 4 Stamps)	Mar. 1996
14. Cricket India (Set of 4 stamps)	Mar. 1996
15. Pt. Karji Lal Dubey	Mar. 1996

5.17 Philatelic sale is managed all over the country through 51 Philatelic Bureaux and 199 Philatelic Counters.

5.18 Five State level philatelic exhibitions as under were held during the period 1994-95.

- Bipex - 94 in Patna, Bihar Circle from 16-19 November, 1994.
- Karnapx - 94 In Bangalore, Karnataka Circle from 11-14 November, 1994.
- Gujpex-94 in Ahmedabad, Gujarat Circle from 2-4 December, 1994.
- Mahapex - 94 in Bombay, Maharashtra Circle from 28-30 December 1994.
- Kerapex - 94 in Calicut, Kerala Circle from 24-27 January 1995.

Two state level exhibitions as uner were held during the period 1995-96.

- Goapex - 95 in Panaji, Goa Circle from 18-20 December, 1995.
- Westana - 95 in Salem City, Tamil Nadu, Circle from 26-28 January, 1996.

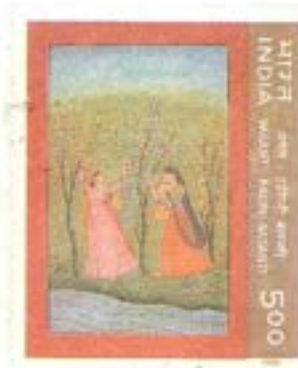
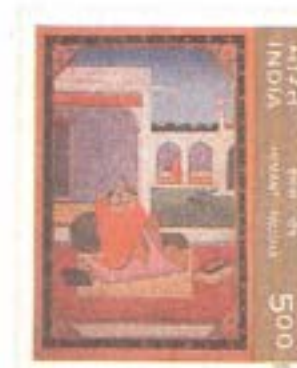
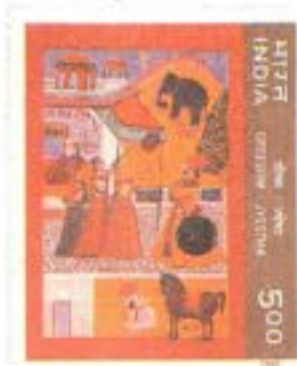
5.19 The Department participated in two international philatelic exhibition, during the period 1994-95. namely:-

- Singapex - 94 in Singapore from 31.8.94 to 4.9.94.
- Philakorea-94 in Seoul, South Korea from 16.8.94 to 25.8.1994.

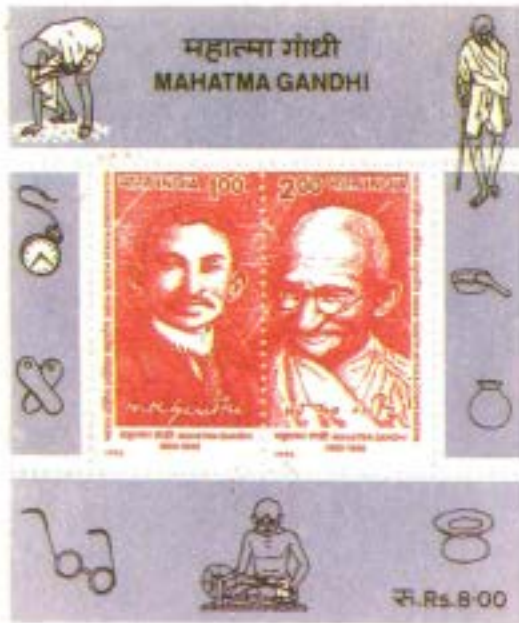
The Department participated in two international philatelic exhibition, during the period 1995-96 namely:-

- Finlandia-95 in Helsinki from 10.5.95 to 15.5.95
- Jakarta - 95 in Jakarta from 19.8.95 to 25.8.95
- Singapore-95 in Singapore from 1.9.95 to 10.9.95

कुछ विशेष डाक टिकट



SOME THEMATIC STAMPS



अध्याय-6 अंतर्राष्ट्रीय संबंध

6.1 भारतीय डाक यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यू.पी.यू.) और एशियाई प्रशांत डाक संघ (ए.पै.पी.यू.) का सदस्य है। भारतीय डाक विश्व भर के अन्य डाक प्रशासनो से हवाई मार्गों, भू-मार्गों और समुद्री मार्गों से अंतर्राष्ट्रीय डाक का आदान-प्रदान करता है।

6.2 इस समय 189 देश यू.पी.यू. के सदस्य हैं। भारत इस संगठन में पारंपरिक रूप से अत्यंत सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यू.पी.यू. में भारत का महत्व उस समय सामने आया जब 1994 में सिओल कांग्रेस में आयोजित प्रशासन परिषद् और डाक प्रचालन परिषद्, जो यू.पी.यू. के दो मुख्य संगठन हैं, के चुनाव हुए।

6.3 प्रशासन परिषद् में 41 सदस्य हैं। भारत सी.ए. प्रबंध समिति में है और इसकी वित्त समिति का अध्यक्ष भी है। डाक प्रचालन परिषद् (पी.ओ.सी.) में 40 सदस्य हैं। टर्मिनल प्रमारों के कार्यदल हेतु सांख्यिकीय एवं लेखांकन प्रणाली पर पी.ओ.सी. के उपाध्यक्ष हेतु भारत रिपोर्टिंग देश है। पारसल पोस्ट, ई.एम.एस. तथा भाषाओं जैसी कार्य पार्टियों का भी भारत सदस्य है। भारत को अभी हाल ही में यू.पी.यू.-प्रकाशक संपर्क समिति का सदस्य नामित किया गया।

6.4 सियोल में अगस्त-सितम्बर, 1994 में आयोजित यू.पी.यू. के सम्मेलन में निजी कुरियरों से बेहतर प्रदर्शन जैसी चुनौतियों और आशंकाओं से निपटने के लिए कतिपय महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। व्यापार योजना या जैसा कि इसे अब कहा जाता है सियोल डाक कार्य नीति द्वारा निम्नलिखित चार मुद्दों पर विश्व डाक समुदाय का ध्यान आकर्षित किया:-

- (i) ग्राहक की आवश्यकताओं की संतुष्टि;
- (ii) सेवा की गुणवत्ता में सुधार;
- (iii) प्रबंध स्वतंत्रता सुनिश्चित करना; और
- (iv) मानव संसाधन का विकास

6.5 एशियाई प्रशांत डाक संघ के मामलों में भारत निरंतर अर्धपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसने इस संघ के 7 वे सम्मेलन और सिंगापुर में 4 से 12 सितम्बर, 1995 तक आयोजित एशियाई प्रशांत डाक प्रशिक्षण केन्द्र (ए.पी.पी.टी.सी.) के 25 वे सत्र में भाग लिया। इसमें विभाग के सचिव के नेतृत्व वाले तीन सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने देश का

प्रतिनिधित्व किया। सिंगापुर के ए.पी.पी.यू. सम्मेलन में संघ के अधिनियम की समीक्षा की गई। इस अवसर पर विभाग द्वारा सिंगापुर में 4 सितम्बर, 1995 को एक विशेष स्मारक डाक-टिकट जारी किया गया।

6.6 सार्क क्षेत्र में संचार के क्षेत्र में कुछ घटनाक्रम उल्लेखनीय हैं। माले में मार्च, 1995 में आयोजित संचार पर सार्क तकनीकी समिति की तीसरी बैठक में भारत को ई.एम.एस.की इलेक्ट्रॉनिक ट्रेकिंग एवं ट्रेसिंग पर एक क्षेत्रीय परियोजना तैयार करने का कार्य सौंपा गया।

6.7 भारत ने 1995 में 13 वीं सार्क पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें प्रथम पुरस्कार विजेता बंगलादेश से था और अन्य दो पुरस्कार विजेता भारत तथा मालदीव से थे।

6.8 यू.पी.यू. तकनीकी सहायता कार्यक्रम के तहत भारतीय डाक ने पोस्टल स्टाफ कालेज भारत, गाजियाबाद में 6-24 फरवरी, 1995 को "व्यावसायिक कार्यनीतियां और सेवा की गुणवत्ता" विषय पर तीन सप्ताह के पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इसी कार्यक्रम के तहत भारतीय डाक ने वर्ष 1995 में कीनिया तथा इथोपिया में अपने परामर्शदाताओं को भेजा।

6.9 भारत और ईरान के बीच डाक एवं दूरसंचार के क्षेत्र में सहयोग पर दिनांक 18.4.95 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विकासशील देशों को डाक सेवाओं के संबंध में परामर्श प्रदान करने के लिए सहयोग पर दिनांक 27-6-1995 को टेलीकाम कंसलटेंट्स इंडिया लिमिटेड और नेपोस्टल कंसलटेंसी बी.वी., पी.टी.टी. नीदरलैंड्स के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

6.10 श्री यामस ई.लीवी, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो और श्री मौसीबहाओ मजाओ, उप महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो, यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन ने क्रमशः मार्च 1995 और दिसंबर, 1995 में सद्भावना मिशन पर भारत का दौरा किया। मानव संसाधन विकास पर सूचना के आदान-प्रदान हेतु अक्टूबर, 1995 में दक्षिण अफ्रीका के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया।

Chapter-6

INTERNATIONAL RELATIONS

6.1 India Post is a member of the Universal Postal Union (UPU) and the Asian Pacific Postal Union (APPU). India Post exchanges international mail by air, surface and sea with other postal administrations around the world.

6.2 UPU has now a membership of 189 countries. India has been traditionally playing a very active role in this organisation. India's importance in the UPU was well reflected in its election at Seoul Congress held in 1994 to the Council of Administration and Postal Operation Council, the two main organs of the Universal Postal Union.

6.3 The Council of Administration consists of 41 members. India is in the CA Management Committee and is also the Chairman of its Finance Committee. The Postal Operations Council (POC) consists of 40 members. India is the reporting country for POC Sub Study on Statistics and Accounting System for the Terminal Dues Working Party. India is also a member of the Working Parties, such as Parcel Post, EMS and Languages. India was recently nominated as a member of the UPU - Publisher's Contact Committee.

6.4 In the Congress of UPU held at Seoul in August - September, 1994, certain significant decisions were taken to meet the challenges and threats posed by the private couriers. The business plan or the Seoul Postal Strategy, as it is now called, has focussed the attention of the world postal community on the following four issues:-

- (i) Satisfying customers needs;
- (ii) Improving quality of service;
- (iii) Ensuring management independence; and
- (iv) Developing human resources.

6.5 India continues to play a meaningful role in the affairs of Asian Pacific Postal Union. It participated in the 7th Congress of this Union and the 25th Session of the Asian Pacific Postal Training Centre (APPTC) held in Singapore from 4th to 12th September, 1995. Three member Indian delegation led by

Secretary of the Department represented the country. Singapore Congress of APPU reviewed the Act of the Union. On this occasion the Department released a special commemorative stamp on 4th September, 1995 at Singapore.

6.6 In the field of communication in the SAARC region a few developments are worth reporting. In the Third Meeting of SAARC Technical Committee on Communications held at Male, in March, 1995, India has been entrusted with the task of preparing a regional project report on electronic tracking and tracing of EMS.

6.7 India hosted 13th SAARC Letter Writing Competition in 1995. The first prize winner was from Bangladesh and the other two prize winners were from India and Maldives.

6.8 Under the UPU Technical Assistance Programme, India Post organised a three weeks course on "Commercial Strategies & Quality of Service" from 6-24 February, 1995 at Postal Staff College of India, Ghaziabad. Under the same Programme, India Post sent consultants to Kenya and Ethiopia in the year 1995.

6.9 A Memorandum of Understanding between India and Iran was signed on cooperation in the field of Post and Telecommunications on 18.4.1995. A Memorandum of Understanding between Telecom Consultants India Ltd. and NEPOSTEL Consultancy BV, PTT Netherlands, was signed on 27.6.1995 on cooperation in providing consultancy on Postal Services in third world countries.

6.10 Mr. Thomas E. Leavey, Director General of International Bureau and Mr. Moussibahou Mazou, Deputy Director Genral of the International Bureau, Universal Postal Union visited India on a goodwill mission in March, 1995 and December, 1995 respectively. A South African delegation comprising two members visited India in October 1995 for exchange of information on human resource development.

अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा

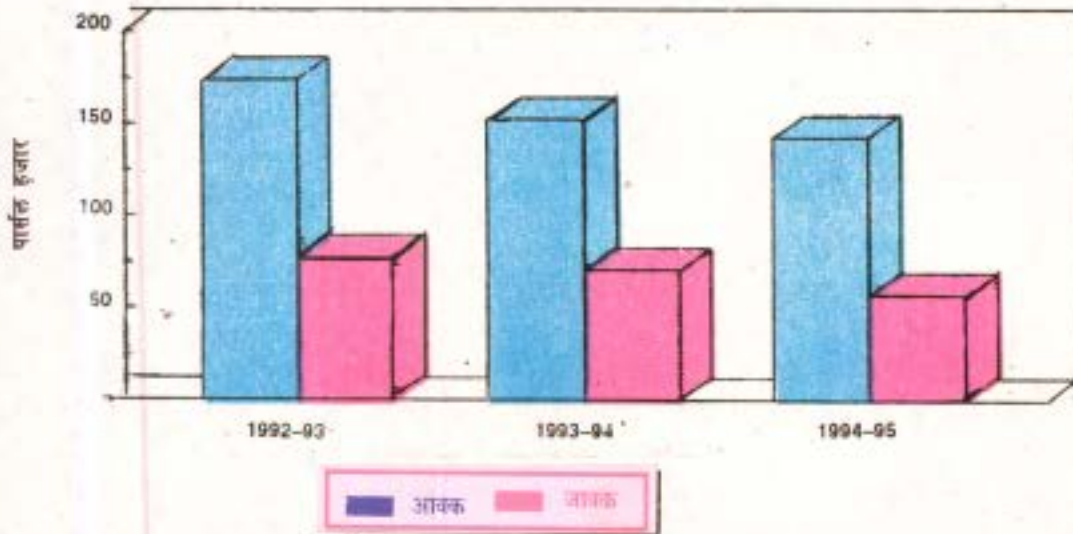
6.11 भारत के भीतर और विदेश डाक प्रशासन की पत्र डाक सेवाओं और पार्सल डाक सेवाओं के क्षेत्र में भारत ने चार गंतव्य स्थानों, नामतः जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, सिंगापुर और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सरफेस एयर लिफ्ट (एस.ए.एल.) मेल सेवा शुरू की है। इस सेवा में सामान्य हवाई डाक की तुलना में कम प्राथमिकता और कम दर पर स्थल डाक को एयरलिफ्ट करने की परिकल्पना की गई है।

6.12 वर्ष 1994-95 के दौरान भारतीय डाक द्वारा डीपे गये आवक हवाई पार्सलों और जावक हवाई पार्सलों की संख्या क्रमशः 1,11,506

और 65,734 थी। इसी अवधि के दौरान डीपे गये आवक भूतल पार्सलों की संख्या 1,42,244 थी जबकि डीपे गये जावक भूतल पार्सलों की संख्या 56,356 थी। पत्र डाक श्रेणी में इसने 39.72 लाख आवक डाक तथा 22.81 लाख जावक डाक की डुलाई की। पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेश हवाई पार्सलों और भूतल पार्सल ट्रैफिक में नियमित रूप से कमी आई है। इस कमी का कारण पार्सल डाक मार्केट में निजी कुरिअर प्रचालन है। प्रचालन तथा संगठन की पुनर्संरचना पर इसके पार्सल मार्केट के हिस्से पर फिर से कब्जा करने की उचित योजना बनाने पर डाक विभाग विचार कर रहा है।

वाक्स- 1

डाक विभाग - विदेश भूतल पार्सल ट्रैफिक



वर्ष	आवक	जावक
1992-93	174111	77353
1993-94	152136	70267
1994-95	142244	56356

INTERNATIONAL MAIL SERVICE

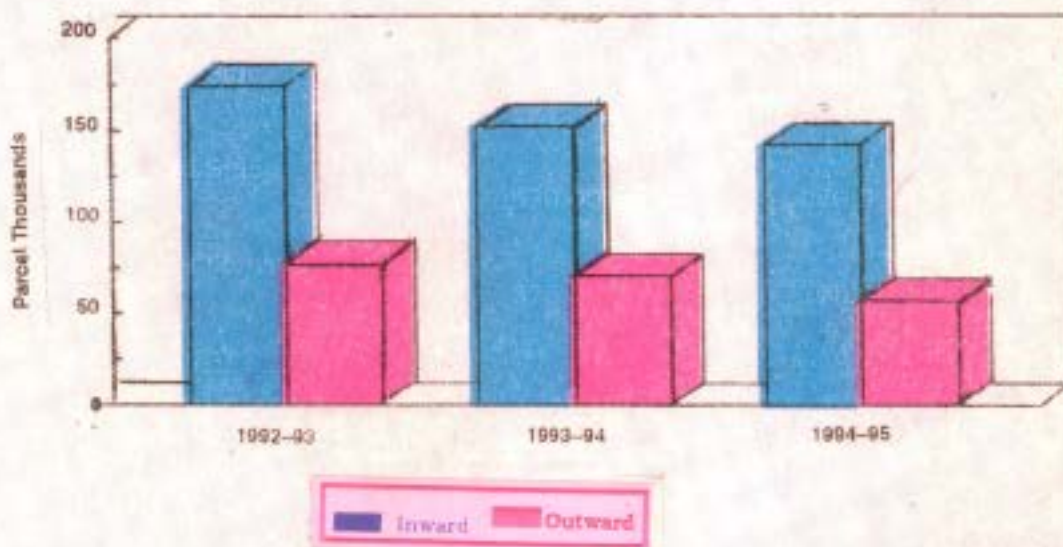
6.1 In the area of Letter Mail Services and the Parcel Post Services within India and foreign postal administration, India has introduced Surface Airlifted (SAL) Mail service to four destinations viz. Germany, Great Britain, Singapore and USA. This service envisages airlifting of surface mail at reduced rate and lower priority compared to normal airmail.

6.12 During the year 1994-95, the number of inward air parcels and the the number of outward air parcels carried by India Post was 1,11,506 and 65,734 respectively. During the same

period, number of inward surface parcels carried was 1,42,244 while the number of outward surface parcels carried was 56,356. In the letter mail category it carried mails to the extent of 39.72 lakhs inward and 22.81 lakhs outward mails. There has been a steady decrease in foreign air parcels as well as surface parcel traffic during the last three years. The reason for this decline is attributable to private courier operations in the parcel mail market. The postal department is thinking of an appropriate strategy for recapturing share of its parcel market through restructuring of operation as well as of the organisation.

BOX-1

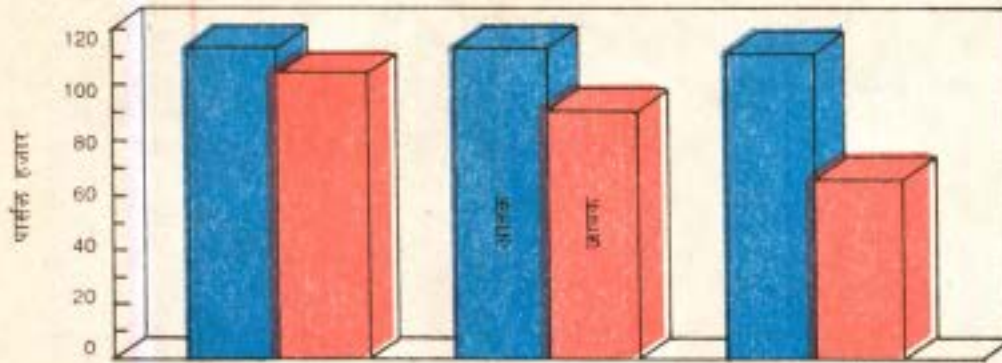
DEPARTMENT OF POST FOREIGN SURFACE PARCELS TRAFFIC



YEAR	INWARD	OUTWARD
1992-93	174111	77353
1993-94	152136	70267
1994-95	142244	56356

वाक्स- 2

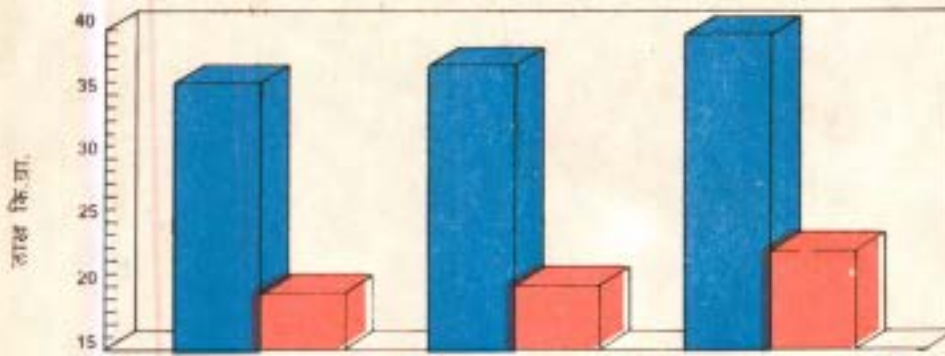
डाक विभाग - विदेश हवाई पार्सल ट्रैफिक



वर्ष	आवक	जावक
1992-93	113543	103815
1993-94	113627	91033
1994-95	111506	65734

वाक्स-3

डाक विभाग - निपटाई गई एल.सी./ए.ओ. डाक



वर्ष	आवक	जावक
1992-93	35.88	19.42
1993-94	37.28	20.09
1994-95	39.72	22.81

6.13 निर्यात बढ़ाने के लिए डाक विभाग ने विदेश डाकघरों, उप विदेश डाकघरों और निर्यात विस्तार पटलों का नेटवर्क स्थापित किया है। फिलहाल चार विदेश डाकघर, पांच उप विदेश डाकघर और पांच विस्तार पटल हैं।

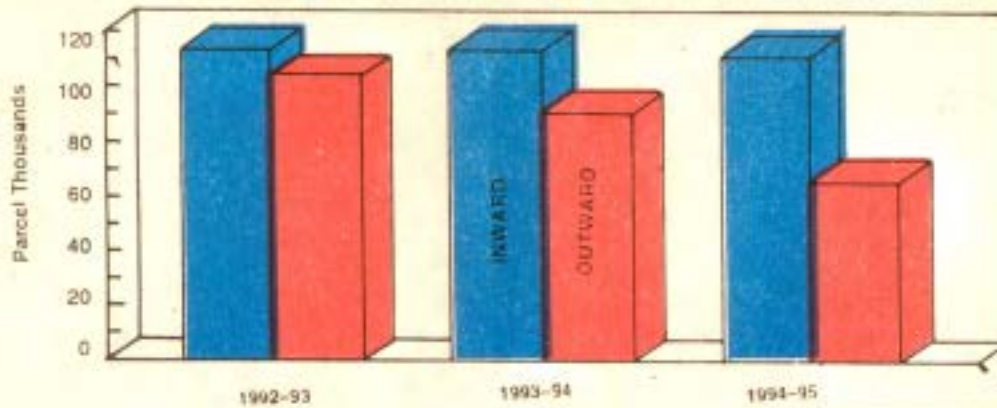
6.14 वर्ष के दौरान भुगतान के लिए 22.46 करोड़ रुपये की रकम के विदेश मनीआर्डर प्राप्त हुए जबकि पिछले वर्ष यह रकम 20.46 करोड़ थी। इस प्रकार इस वर्ष इसमें 9.77% की वृद्धि दर्ज की गई।

विभाग ने सीमा-शुल्क, पारगमन प्रभारों, हवाई परिवहन और पार्सल लेखों पर 23.15 करोड़ रुपये प्राप्त किए।

6.15 अब विश्व के 74 देशों तक अंतर्राष्ट्रीय ई.एम.एस. सेवा का विस्तार कर दिया गया है तथा वाणिज्य वस्तु स्पीड पोस्ट सेवा विश्व के 50 देशों में उपलब्ध है। आवक वस्तुओं की संख्या बढ़कर 3,15,944 तथा जावक वस्तुओं की संख्या 4,67,086 हो गई है।

BOX-2

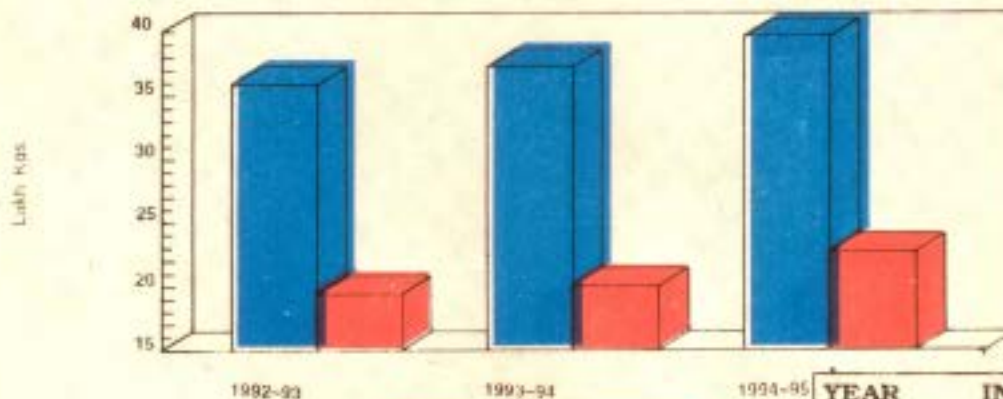
DEPARTMENT OF POST - FOREIGN AIR PARCELS TRAFFIC



YEAR	INWARD	OUTWARD
1992-93	113543	103815
1993-94	113627	91033
1994-95	111506	65734

BOX-3

DEPARTMENT OF POST - LC/AO MAILS HANDLED



YEAR	INWARD	OUTWARD
1992-93	35.88	19.42
1993-94	37.28	20.09
1994-95	39.72	22.81

6.13 To push up exports, the Department has set up a network of foreign post offices, sub-foreign post offices and export extension counters. Presently there are four foreign post offices, five sub-foreign post offices and five extension counters.

6.14 During the year foreign money orders of the value of Rs. 22.46 crore were received for payment as compared to Rs. 20.46 crore in the previous year thereby

registering an increase of 9.77%. The Department received Rs. 23.15 crores on account of terminal dues, transit charges, air conveyance and parcel accounts.

6.15 International EMS service has now been expanded to 74 countries and Merchandise Speed Post Service is available for 50 countries across the globe. The number of inward articles has increased to 3,15,944 and that of outward articles to 4,67,086.

अध्याय-7 एजेसी कार्य

7.1 विभाग द्वारा वित्त मंत्रालय की ओर से निम्नलिखित योजनाएं चलाई जाती हैं:-

- बचत खाता योजना
- आवर्ती जमा योजना
- सावधि जमा योजना 1 वर्ष, 2 वर्ष, 3 वर्ष और 5 वर्ष
- मासिक आय योजना
- लोक भविष्य निधि योजना
- इंदिरा विकास पत्र योजना
- किसान विकास पत्र योजना
- राष्ट्रीय बचत पत्र
- राष्ट्रीय बचत योजना 1992

7.3 महिला समृद्धि योजना को उत्साहजनक समर्थन मिला है। 31-3-1995 तक सम्पूचे देश में 8437348 खाते खोले जा चुके हैं जिनमें 81.21 करोड़ रुपये की राशि जमा है। इसकी तुलना में अक्टूबर, 1993 से 31.3.1994 तक 7,29,041 खाते खोले गए जिनमें 9.15 करोड़ रुपये की कुल राशि जमा है। 31-3-1996 तक 1.69 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं जिनमें कुल 172.41 करोड़ रुपये से भी अधिक की राशि जमा है।

बॉक्स-1		
बिजनेस प्रोफाइल 1994-95 (31-3-1995 तक की स्थिति के अनुसार)		
बचत योजना का नाम	खातों की संख्या	करोड़ रुपए में
बचत खाता	4,75,11,088	4,773.69
आवर्ती जमा खाता	6,67,62,049	469.03
सावधि जमा खाता	14,29,108	2,580.61
मासिक आय योजना खाता	28,05,472	5,977.06
लोक भविष्य निधि खाता	5,51,962	825.05
राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	4,23,973	309.07

महिला समृद्धि योजना

7.2 महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की गई महिला समृद्धि योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहन देना है। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 2 अक्टूबर, 1993 को शुरू की गई थी।

बॉक्स-2

मार्च-1996 तक महिला समृद्धि योजना की प्रणामी रिपोर्ट

क्रम संख्या	सर्किल का नाम	अब तक खोले गए खातों का प्रणामी योग	अब तक जमा की गई रकम का प्रणामी योग
1.	आंध्र प्रदेश सर्किल	22,30,463	24,35,39,223
2.	असम सर्किल	13,43,192	8,66,56,919
3.	बिहार सर्किल	6,01,309	4,54,15,365
4.	दिल्ली सर्किल	3,567	7,84,571
5.	गुजरात सर्किल		
	गुजरात	6,99,284	11,17,41,180
	दादर एवं नगर हवेली	2,081	3,66,766
	दमन	1,025	2,52,682
	दीव	931	2,69,660
6.	हरियाणा सर्किल	4,15,259	6,14,08,074
7.	हिमाचल प्रदेश सर्किल	1,26,442	3,08,02,349
8.	जम्मू एवं कश्मीर सर्किल	44,062	64,14,616
9.	कर्नाटक सर्किल	11,84,029	15,61,13,760
10.	केरल सर्किल	4,58,677	5,51,07,708
11.	मध्य प्रदेश सर्किल	27,71,469	13,35,58,993
12.	महाराष्ट्र सर्किल		
	महाराष्ट्र सर्किल	6,56,674	11,35,93,425
	गोआ	31,742	51,26,912

Chapter-7

AGENCY FUNCTIONS

7.1 The following schemes are managed by the Department on behalf of the Ministry of Finance:-

- Savings Account Scheme.
- Recurring Deposit Scheme.
- Time Deposit Scheme - 1 year, 2 years, 3 years & 5 years.
- Monthly Income Scheme.
- Public Provident Fund Scheme.
- Indira Vikas Patra Scheme.
- Kisan Vikas Patra Scheme.
- National Savings Certificate.
- National Savings Scheme, 1992.

with total deposit of Rs. 81.21 crores have been opened all over the country, as compared to 7,29,041 accounts with total deposit of Rs. 9.15 crore from October, 1993 to 31.3.94. Upto 31.3.96, 1.69 crores accounts have been opened with total deposit of more than Rs. 172.41 crores.

Box - 1

Business Profile, 1994-95 (as upto 31.3.95)

Name of Saving Scheme	No. of A/Cs	Amount in Crores
Savings Accounts	4,75,11,088	Rs. 4,773.60
RD Accounts	6,67,62,049	Rs. 469.03
TD Accounts	14,29,108	Rs. 2,580.61
MIS Accounts	28,05,472	Rs. 5,977.06
PPF Accounts	5,51,962	Rs. 825.05
NSS, 1992	4,23,973	Rs. 309.07

Mahila Samridhhi Yojana

7.2 Mahila Samridhhi Yojana - scheme introduced by the Ministry of Women & Child Development aims at promoting self reliance and economic independence amongst rural women. It was launched by the Hon'ble Prime Minister on 2nd October, 1993.

7.3 Mahila Samridhhi Yojana has shown encouraging response. Upto 31.3.95, 84,37,348 accounts

BOX-2

PROGRESSIVE REPORT ON MAHILA SAMRIDHDI YOJANA UPTO MONTH OF MARCH, 1996

Sl. No.	Name of the Circle	Progressive total of a/cs. opened so far.	Progressive total of the amount deposited so far.
1.	Andhra Pradesh circle	22,30,463	24,35,39,223
2.	Assam circle	13,43,192	8,66,56,919
3.	Bihar circle	6,01,309	4,54,15,365
4.	Delhi circle	3,567	7,84,571
5.	Gujarat circle		
	Gujarat	6,99,284	11,17,41,180
	Dadar & Nagar Haveli	2,081	3,66,766
	Daman	1,025	2,52,682
	Diu	931	2,69,660
6.	Haryana circle	4,15,259	6,14,08,074
7.	Himachal Pradesh circle	1,26,442	3,08,02,349
8.	Jammu & Kashmir circle	44,062	64,14,616
9.	Karnataka circle	11,84,029	15,61,13,760
10.	Kerala circle	4,58,677	5,51,07,708
11.	Madhya Pradesh circle	27,71,469	13,35,58,993
12.	Maharashtra circle		
	Maharashtra Circle	6,56,674	11,35,93,425
	Goa	31,742	51,26,912

13. उत्तर पूर्व सर्किल		
अरुणाचल प्रदेश	2,999	4,00,836
मणिपुर	9,378	8,00,488
मेघालय	3,197	1,71,215
मिजोराम	10,640	15,58,915
नागालैंड	2,287	5,20,688
त्रिपुरा	29,903	30,95,122
14. उड़ीसा सर्किल	5,74,905	6,99,67,246
15. पंजाब सर्किल		
पंजाब	4,77,021	5,86,44,024
चंडीगढ़	8,906	6,43,420
16. राजस्थान सर्किल	4,54,669	6,65,91,803
17. तमिलनाडु सर्किल		
तमिलनाडु	21,38,100	15,24,26,609
पंढिचेरी	18,541	13,16,713
18. उत्तर प्रदेश	20,92,438	23,98,53,948
19. पश्चिम बंगाल सर्किल		
पश्चिम बंगाल	5,02,346	7,61,25,754
सिक्किम	10,342	8,74,673
कुल	1,69,05,878	1,72,41,43,657

डाक जीवन बीमा

7.4 डाक जीवन बीमा के कार्य विकास में वृद्धि जारी रही। वित्तीय वर्ष 1994-95 के दौरान 1,65,905 नई पालिसियां जारी की गईं जिनके अंतर्गत 693.65 करोड़ रुपये की रकम का बीमा किया गया। वर्ष के अंत तक डाक जीवन बीमा पालिसियों की संख्या बढ़कर 20,92,921 हो गईं जिनमें 4,776.92 करोड़ रुपये की राशि का बीमा किया गया।

वाक्स-3
पालिसियों के प्रकार
डाक जीवन बीमा (ग्रामीण डाक जीवन बीमा सहित) में निम्नलिखित चार प्रकार की पालिसियां हैं :-
आजीवन बीमा पालिसी
परिवारिक आजीवन बीमा पालिसी
बन्दोबस्ती बीमा पालिसी
प्रत्याशित बन्दोबस्ती बीमा पालिसी

7.5 इस वर्ष ग्रामीण जनता के लिए एक नई जीवन बीमा स्कीम शुरू की गई है और इस प्रकार यह वर्ष डाक जीवन बीमा के इतिहास में मील का एक नया पत्थर साबित हुआ है। यह योजना ग्रामीण डाक जीवन बीमा के नाम से जानी जाती है।

7.6 ग्रामीण डाक जीवन बीमा में एक विशेष 10 वर्षीय योजना का प्रावधान है जिसके तहत 4 वर्ष, 7 वर्ष और अंततः 10 वर्ष के बाद सावधिक उत्तरजीवित्वा लाभों का बोनस सहित भुगतान किया जाता है। 10 वर्षीय योजना की एक अनोखी विशेषता यह है कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण यदि कोई बीमादार एक वर्ष तक प्रीमियम का भुगतान नहीं करता है तो भी यह पालिसी व्ययगत नहीं होगी। एक वर्ष के बाद जब बीमादार प्रीमियम के बकाए का भुगतान करता है तो उसे प्रीमियमों के बकाये पर जमा ब्याज का भुगतान नहीं करना पड़ता है।

वाक्स-4		
1994-95 में निपटाए गए दावे		
	मामलों की संख्या	रकम
1. परिपक्वता	33,735	18.57 करोड़
2. मृत्यु	3,184	4.65 करोड़
3. स्वीकृत ऋण		11.16 करोड़

7.7 कार्य-कलाप की नई अतिश्रयता को जारी रखने के लिए डाक जीवन बीमा संगठन की पुनर्संरचना की गई है और इसके लिए एक अलग निदेशालय बना दिया गया है जिसके पास कार्यात्मक स्वायत्तता है। यह निदेशालय सीपे सचिव को रिपोर्ट करता है।

वाक्स-5		
1994-95 एवं 1995-96 में डाक जीवन बीमा कारोबार		
वर्ष	पालिसियों की संख्या	बीमित राशि
1994-95	1,65,905	693.65 करोड़ रु.
1995-96	1,82,621	810.22 करोड़ रु.

13. North Eastern circle		
Jharkhand Pradesh	2,999	4,00,836
Manipur	9,378	8,00,488
Meghalaya	3,197	1,71,215
Mizoram	10,640	15,58,915
Nagaland	2,287	5,20,688
Tripura	29,903	30,95,122
14. Orissa circle	5,74,905	6,99,67,246
15. Punjab circle		
Punjab	4,77,021	5,86,44,024
Chandigarh	8,906	6,43,420
16. Rajasthan circle	4,54,689	6,65,91,803
17. Tamil Nadu circle		
Tamil Nadu	21,38,100	15,24,26,609
Pondicherry	18,541	13,16,713
18. Uttar Pradesh	20,92,438	23,98,53,948
19. West Bengal circle		
West Bengal	5,02,346	7,61,25,754
Sikkim	10,342	8,74,673
Total	1,69,05,878	1,72,41,43,657

Postal Life Insurance

7.4 PLI has maintained buoyancy in business growth. During the financial year 1994-95, 1,65,905 new policies were issued for sum assured of Rs. 693.65 crore. At the end of the year, the number of PLI policies rose to 20,92,921 with sum assured Rs. 4,776.92 crore.

7.5 The year marks a new milestone in the annals of PLI with its launching a new life insurance scheme for the rural population. This scheme is known as Rural PLI.

7.6 Rural PLI offers a special 10 years Plan under which periodical survival benefits are payable after 4 years, 7 years and finally 10 years along with bonus. The unique feature of the '10 Year Plan' is that in case of natural calamities, an insurant may not pay the premium for one year, but the policy will not lapse. After one year when the insurant pays the arrear of the premium, he will not have to pay the interest accrued on the arrears of premia.

Box - 4

CLAIMS SETTLED IN 1994-95

	No. of Cases	Amount
1) Maturity	33,735	Rs. 18.57 crs.
2) Death	3,184	Rs. 4.65 crs.
3) Loan Sanctioned		Rs. 11.66 crs.

7.7 To sustain new business thrust, PLI organisation has been restructured into a separate Directorate with functional autonomy. This Directorate reports direct to the Secretary.

Box - 3

TYPES OF POLICIES

Postal Life Insurance (including Rural PLI) offers the following four types of policies:

- Whole Life Assurance Policy
- Convertible Whole Life Assurance Policy
- Endowment Assurance Policy
- Anticipated Endowment Assurance Policy

Box - 5

PLI BUSINESS IN 1994-95 & 1995-96

Year	No. of Policies	Sum Assured
1994-95	1,65,905	Rs. 693.65 crores
1995-96	1,82,621	Rs. 810.22 crores

बॉक्स-6		
घोषित बोनस		
वर्ष	डब्ल्यू. एल.ए. पालिसिया	अन्य
1990-91	85 रु.	70-00 रुपये
1991-92	88 रु.	72-00 रुपये
1992-93	85 रु. + टी.वी. + एम.वी.	70-00 रु. + टी.वी. + एम.वी.
1993-94	"	"

बॉक्स-7		
ग्रामीण डाक जीवन बीमा		
वर्ष	पालिसियों की संख्या	बीमित राशि
1994-95	60,990	119.10 करोड़ रु.
1995-96	2,37,557	733.56 करोड़ रु.

Box - 6

BONUS DECLARED

Year	WLA Policies	Oth.crs
1990-91	Rs. 85	Rs. 70
1991-92	Rs. 88	Rs. 72
1992-93	Rs. 85+TB+MB	Rs. 70+TB+MB
1993-94	-do-	-do-
1994-95	-do-	-do-

Box - 7

RURAL PLI

Year	No. of Policies	Sum Assured
1994-95	60,990	Rs. 119.10 Crs.
1995-96	2,37,557	Rs.733.56 Crs.

अध्याय-8 वित्त

8.1 वर्ष 1994-95 के दौरान 1170.41 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ जबकि पिछले वर्ष 1105.17 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। इस प्रकार इस वर्ष 65.24 करोड़ रुपये अर्थात् लगभग 5.9% अधिक राशि की प्राप्ति हुई।

8.2 वर्ष का कुल कार्यकारी व्यय पिछले वर्ष के 1312.26 करोड़ रुपये के व्यय तथा संशोधित प्राक्कलन 1994-95 में दर्शाए गए 1516.12 करोड़ रुपये के प्राक्कलित व्यय की तुलना में 1522.22 करोड़ रुपये था। इस प्रकार इस वर्ष के कार्यकारी व्यय में 16% की वृद्धि हुई।

महंगाई भत्ता, बोनस 86-87 से मंजूर किए गए बोनस की अधिकतम सीमा में वृद्धि के कारण बकाए के भुगतान, ब्लॉक वर्ष 1990-93 को बढ़ाए जाने के कारण अवकाश यात्रा रियायत के अपेक्षाकृत अधिक दावों के निपटान तथा डाक स्टेशनरी की छपाई से संबंधित पिछले बिलों के समाशोधन के कारण यह वृद्धि हुई।

सेवाओं की लागत

वर्ष 1994-95 की मुख्य सेवाओं की लागत और राजस्व पिछले वर्ष की स्थिति सहित नीचे प्रत्येक सेवा के सामने दर्शाए गए हैं:-

सेवाओं की लागत

(अंकड़े रुपये में)

सेवा	1993-94		1994-95	
	लागत	राजस्व	लागत	राजस्व
पोस्टकार्ड	1.57	0.15	1.73	0.15
छपे कार्ड	1.46	0.60	1.62	0.60
पत्र-कार्ड	1.61	0.75	1.78	0.75
पत्र	1.95	2.13	2.17	2.40
पार्सल	19.40	16.46	20.67	17.01
मनीआर्डर	13.28	11.68	15.08	13.61
पंजीकरण	9.90	6.00	10.62	6.00
बीमा	13.36	14.78	14.83	17.91
बुक पोस्ट				
बुक पैटर्न तथा नमूना पैकेट	2.20	2.07	2.40	2.15
छपी पुस्तक	2.78	1.56	3.01	1.70
अन्य	3.07	1.52	3.28	1.55

Chapter - 8 FINANCE

8.1 The total revenue during the year 1994-95 was Rs. 1170.41 crore, registering an increased receipt of Rs. 65.24 crore i.e. about 5.9% more against the preceding year's receipts of Rs. 1105.17 crore.

8.2 The net working expenses of the year was Rs. 1522.22 crore against the previous year's expenditure of Rs. 1312.26 crore (i.e. an increase of about 16%) and against the estimated expenditure of Rs. 1516.12 crore projected in RE 1994-95. The increase was mainly due to payment of DA, bonus,

arrears due to increase in bonus ceiling sanctioned with effect from 86-87, settlement of more LTC claims due to extension of block year 1990-93 and clearance of previous bills pertaining to printing of postal stationery.

Cost of Services

The cost and revenue of main services for the years 1994-95 along with the position for the previous year are shown against each service below:-

COST OF SERVICES

(Figure in Rupees)

Service	1993-94		1994-95	
	Cost	Revenue	Cost	Revenue
Postcard	1.57	0.15	1.73	0.15
Printed Card	1.46	0.60	1.62	0.60
Letter Card	1.61	0.75	1.78	0.75
Letter	1.95	2.13	2.17	2.40
Parcel	19.40	16.46	20.67	17.01
Money Order	13.28	11.68	15.08	13.61
Registration	9.90	6.00	10.62	6.00
Insurance	13.36	14.78	14.83	17.91
Book Post				
Book Pattern and Sample Packet	2.20	2.07	2.40	2.15
Printed Books	2.78	1.56	3.01	1.70
Others	3.07	1.52	3.28	1.55

राजस्व एवं व्यय 1994-95
(1993-94 की तुलना में)

(करोड़ रुपये में)

व्यक्ति	1993-94	1994-95	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि
राजस्व			
डाक-टिकटों की बिक्री	629.66	645.16	2.46
नकद में प्राप्त डाक शुल्क	288.28	309.35	7.31
मनीआर्डरों, भारतीय पोस्टल आर्डरों आदि पर कमीशन	145.05	162.12	11.77
अन्य प्राप्ति	42.18	53.78	27.50
कुल	1105.17	1170.41	5.90
व्यय			
सामान्य प्रशासन	114.89	130.43	3.53
प्रचालन	1288.39	1472.72	14.31
एजेंसी सेवाएं	72.96	86.48	18.53
अन्य	390.55	441.07	12.94
कुल सकल व्यय	1866.79	2130.70	14.14
अपेक्षाकृत कम वस्तुलियां	554.53	608.48	9.73
निवल व्यय	1312.26	1522.22	16.00

वर्ष 1994-95 में एजेंसी सेवाओं पर होने वाले कार्वकारी व्यय की विभाग द्वारा वसूली निम्नानुसार थी:-

पूँजीगत परिव्यय

	(करोड़ रुपये में)
1. बचत बैंक और बचत-पत्र	490.83
2. सेना फ़ैशन	0.19
3. कोयला खनिक और डीपी.एफ. परिवार फ़ैशन और विविध सेवाओं के लिए भुगतान	7.86
4. रेलवे फ़ैशन का भुगतान	1.24
5. डाक जीवन बीमा	19.57
6. सीमा-शुल्क वसूली	0.81
7. बचत बैंक युग्मन कार्य	0.57
8. महिला समृद्धि योजना	48.50
9. संयुक्त कार्यालय का तार श्रेय	33.91
10. अन्य	4.90
कुल	608.48

8.3 वर्ष में नियत परिसंपत्तियों पर व्यय 78.29 करोड़ रुपये था। इसमें से 54.9% भूमि एवं भवनों पर व्यय हुआ और 45.1% उपकरणों संयंत्रों एवं अन्य पर व्यय हुआ। वर्ष के अंत तक नियत परिसंपत्तियों पर पूँजीगत व्यय 650.77 करोड़ रुपये तक बढ़ गया। वर्ष के अंत तक निवल प्रगामी पूँजीगत व्यय के लिए सामान्य राजस्व से 536.55 करोड़ की सहायता दी गई।

REVENUE & EXPENDITURE 1994-95
(As compared to 1993-94)

(In Crores of Rupees)

Particulars	1993-94	1994-95	Percentage increase over previous year
REVENUE			
Sale of stamps	629.66	645.16	2.46
Postage realised in cash	288.28	309.35	7.31
Commission on Money Orders, Indian Postal Orders, etc.	145.05	162.12	11.77
Other Receipts	42.18	53.78	27.50
Total	1105.17	1170.41	5.90
EXPENDITURE			
General Administration	114.89	130.43	3.53
Operation	1288.39	1472.72	14.31
Agency Services	72.96	86.48	18.53
Others	390.55	441.07	12.94
Total Gross Expenditure	1866.79	2130.70	14.14
Less Recoveries	554.53	608.48	9.73
Net Expenditure	1312.26	1522.22	16.00

**IN THE YEAR 1994-95 THE DEPARTMENT'S
RECOVERY OF WORKING EXPENSES ON ACCOUNT
OF AGENCY SERVICES WAS:-**

(Rupees in crores)

1. Saving Bank and Saving Certificates	490.83
2. Military Pension	0.19
3. Payment of Coal Mines and EPF/Family Pension and Misc. Services	7.86
4. Payment of Railway Pension	1.24
5. Postal Life Insurance	19.67
6. Custom Duty realisation	0.81
7. Saving Bank Pairing work	0.57
8. Mahila Samridhhi Yojana	48.50
9. Telegraph share of combined office	33.91
10. Others	4.90
Total	608.48

Capital Outlay

8.3 The expenditure on fixed assets in the year was Rs. 78.29 crore. Of this 54.9% was on land and buildings and 45.1% on apparatus, plants and others. The value of the capital on fixed assets rose to Rs. 650.77 crore at the end of the year. The net progressive Capital Expenditure to end of the year financed from General Revenue was Rs. 536.55 crore.

अध्याय-9 अन्य कार्यकलाप

कर्मचारी संबंध

9.1 विभाग ने पूरे वर्ष के दौरान स्टाफ फंडरेशनों, वृत्तियनों तथा एसोसिएशनों के साथ स्वस्थ एवं सार्थक संबंध बनाए रखे। वर्ष 1994-95 के दौरान विभागीय परिषद (जे.सी.एम.) की दो बैठकें आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त विभागीय प्रबंधन और वृत्तियनों के बीच विभागीय परिषद द्वारा गठित उप समितियों की 24 बैठकें स्थायी समिति की दो बैठकें तथा 6 अन्य आवधिक बैठकें भी आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान अतिरिक्त विभागीय एजेंटों की विभागीय समिति की भी तीन बैठकें आयोजित की गईं। कर्मचारी पक्ष द्वारा प्रस्तुत किये गये एक मांग-पत्र को, जो कर्मचारी पक्ष द्वारा प्रस्तुत किया गया था कर्मचारी पक्ष तथा प्रबंधन के बीच आयोजित नौ बैठकों के दौरान मैत्रीपूर्ण ढंग से पारित कर दिया गया।

कर्मचारी कल्याण

9.2 कर्मचारी कल्याण, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोन्नति उनके विकास तथा संगठन के लिए विभाग ने संचार मंत्री की अध्यक्षता में डाक विभाग कर्मचारी कल्याण बोर्ड का गठन किया है। बोर्ड सरकार से अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सहायता अनुदान प्राप्त करता है।

9.3 यह धनराशि सामुदायिक केंद्रों को स्थापित करना तथा उनके रख-रखाव, मनोरंजन क्लबों, प्राकृतिक आपदाओं के समय दी जाने वाली राहतों, शिक्षा छात्रवृत्तियों, भ्रमण यात्रा, विकलांग कर्मचारी व उनके बच्चों को सहायता प्रदान करना, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों के रख-रखाव, मिश्रणों, स्कूलों तथा कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्यों की बीमारी के समय सहायता के लिए प्रयोग में लाया जाता है। वर्ष 1994-95 के दौरान विभाग ने 1.12 करोड़ रुपया कल्याणकारी गतिविधियों में खर्च किया।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

9.4 वर्ष 1994-95 के दौरान, अखिल भारतीय खेलकूद बोर्ड ने निम्नलिखित टूर्नामेंटों का आयोजन किया:-

1. अखिल भारतीय डाक सांस्कृतिक अधिवेशन लखनऊ (30प्र0)।
2. अखिल भारतीय डाक भारोत्तोलन तथा सर्वोत्तम शारीरिक सौष्ठव प्रतियोगिता मद्रास, तमिलनाडु।
3. अखिल भारतीय डाक कबड्डी टूर्नामेंट, बेगलूर, कर्नाटक।
4. अखिल भारतीय डाक कुश्ती अधिवेशन, कटक, उड़ीसा।
5. अखिल भारतीय डाक एथेलेटिक्स अधिवेशन लुधियाना, पंजाब।
6. अखिल भारतीय डाक बैडमिंटन टूर्नामेंट, अहमदाबाद, गुजरात।
7. अखिल भारतीय डाक टेबल टेनिस टूर्नामेंट गुवाहाटी, असम।
8. अखिल भारतीय डाक बॉलीबाल टूर्नामेंट चंडीगढ़, हरियाणा।
9. अखिल भारतीय डाक शतरंज टूर्नामेंट भोपाल, मध्य प्रदेश।

वर्ष 1995-96 में ये सभी नौ प्रतियोगिताएँ क्रमशः दिल्ली, गुजरात, अहमदाबाद, आंध्र प्रदेश में हैदराबाद, हरियाणा में अम्बाला, तमिलनाडु में मद्रास, बिहार में पटना, हिमाचल प्रदेश में शिमला, केरल में तिरुवनंतपुरम तथा जम्मू एवं कश्मीर में जम्मू में आयोजित की गईं। इन नौ प्रतियोगिताओं के अलावा उत्तर प्रदेश में कानपुर, पश्चिम बंगाल में कलकत्ता, उड़ीसा में कटक तथा पंजाब में लुधियाना में क्रिकेट, फुटबाल, बास्केट बाल और हाकी की क्रमशः चार और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

राजभाषा को प्रोत्साहन

9.5 विभाग सरकारी काम-काज में हिंदी के अधिकतम प्रयोग के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। हिंदी को प्रोन्नति के कार्यक्रम के अंतर्गत 8 सर्किलों में राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इन सम्मेलनों से सर्किलों को हिंदी के कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाइयों का हल ढूँढने में मदद मिली। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों का वार्षिक निरीक्षण किया गया। यह उल्लेखनीय है कि राजभाषा की संसदीय समिति ने विभाग के 16 कार्यालयों का निरीक्षण किया। प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मुख्यालय तथा अधीनस्थ कार्यालयों में जिन कर्मचारियों ने सरकारी कार्य में हिंदी में उत्कृष्टता दिखाई उन्हें पारितोषिक तथा पुरस्कार वितरित किए गए। अखिल भारतीय डाक विभाग राजभाषा शील्ड केरल सर्किल को जो "गैर हिंदी" सर्किलों में अधिकतम कार्य हिंदी में कर रहा है तथा राजस्थान सर्किल को सरकारी कार्य में हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए प्रदान की गई।

Chapter-9

OTHER ACTIVITIES

Staff Relation

9.1 The Department has maintained a healthy and meaningful relationship with the staff Federations, Unions and Associations throughout the year. During the year 1994-95 two meetings of the Departmental Council (JCM) were held. In addition the management and the unions held 24 meetings of the sub-committees constituted by the Departmental Council, 2 meetings of the Standing Committees and 6 other periodical meetings. For the Departmental Committee for EDAs three meetings were held during the year. A Charter of Demand submitted by the staff side was amicably resolved by holding discussions spread over nine meetings between the management and the staff side.

Staff Welfare

9.2 To promote, develop and organise staff welfare, sports and cultural activities, the Department has set up the Postal Service Staff Welfare Board headed by the Minister for Communications. The Board receives grants-in-aid from the Government to promote its activities.

9.3 The funds are utilised for welfare activities like setting up and maintenance of community centres, recreation clubs, providing relief in case of natural calamities, grant of scholarships, promoting excursion trips, grants to handicapped staff and their children, maintenance of vocational training centres, creches, schools and grants to defray expenses in case of ailment of employees or their family members. During the year 1994-95, the Department spent Rs. 1.12 crore on welfare activities.

Sports & Culture

9.4 During the year 1994-95, the All India Postal Sports Board organised the following tournaments:-

- (1) All India Postal Cultural meet at Lucknow, U.P.
- (2) All India Postal Weightlifting and Best Physique Meet at Madras, Tamil Nadu,

- (3) All India Postal Kabaddi Tournament, Bangalore, Karnataka.
- (4) All India Postal Wrestling Meet, Cuttack, Orissa.
- (5) All India Postal Athletic Meet, Ludhiana, Punjab.
- (6) All India Badminton Tournament, Ahmedabad, Gujarat.
- (7) All India Postal Table Tennis Tournament, Guwahati, Assam.
- (8) All India Postal Volleyball Tournament, Chandigarh, Haryana.
- (9) All India Postal Chess Tournament, Bhopal, M.P.

In the year 1995-96 all these nine events were held at Delhi, Ahmedabad in Gujarat, Hyderabad in Andhra Pradesh, Ambala in Haryana, Madras in Tamil Nadu, Patna in Bihar, Shimla in Himachal Pradesh, Thiruvananthapuram in Kerala and Jammu in Jammu & Kashmir respectively. In addition to these nine events four more events were introduced in Cricket, Football, Basketball and Hockey and were held at Kanpur in Uttar Pradesh, Calcutta in West Bengal, Cuttack in Orissa and Ludhiana in Punjab respectively.

Promoting Official Language

9.5 The Department is continuing its efforts to ensure optimum use of Hindi in official transactions. As part of its programme for promotion of Hindi, Rajbhasha Sammelan was held in 8 circles. These Sammelans provided opportunities to offer solutions to the Circles in removing difficulties in implementation of official language. Annual inspection of various offices was carried out as part of this programme. It is worth noting that the Parliamentary Committee on Official Language inspected 16 offices of the Department during the period. Rewards and prizes were distributed among the employees who showed excellence in use of Hindi in official work, under incentive scheme both at the Headquarters and subordinate offices. All India Dak Vibhag Rajbhasha Shield was awarded to Kerala Circle, a non-Hindi Circle doing maximum work in Hindi and Rajasthan Circle for excel-

निदेशालय में सितम्बर, 94 में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। मुख्यालय तथा सर्किलों में हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कक्षाएँ भी आयोजित की गईं।

9.6 पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए तथा उसके प्रति अधिक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए विभाग डाकघरों के आस-पास पेड़ पौधे लगाने तथा उनके रख-रखाव की नीति अपना रहा है। राजस्थान के प्रायःपूरा विभागीय उप-डाकघर का पृष्ठ 52 में फोटो देश के विभिन्न भागों में कई ऐसे डाकघरों का दृश्य है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का सेवाओं में प्रतिनिधित्व

9.7 सेवाओं में आरक्षण नीति के अनुसरण में वर्ष 1994-95 में अनुसूचित जाति के 342 तथा अनुसूचित जनजाति के 293 अभ्यर्थी डाक विभाग में भर्ती किए गए।

दिनांक 31-3-1995 की स्थिति के अनुसार विभाग में विभिन्न ग्रेडों में 17403 अनुसूचित जनजाति, 53342 अनुसूचित जाति, 2644 भूतपूर्व सैनिक 269 शारीरिक रूप से विकलांग भूतपूर्व सैनिक, तथा 27386 महिला कर्मचारी थे।

lence in use of Hindi in official work. Hindi fortnight was organised in the Directorate during the month of September, 1994. Training classes have also been organised both at the Headquarters and in the circles under Hindi teaching scheme.

9.6 Responding to the need for suitable programmes to check environmental pollution and ensure greater awareness about it, the Department has been following the policy of developing and maintaining greenery in the vicinity of the post offices. The photograph shown below of a Pragpura departmental sub-post office in Rajasthan is a

representative view of many such post offices in different parts of the country.

Representation of SC & ST in services

9.7 In pursuance of policy regarding reservation in services, during the year 1994-95, 342 ST and 293 SC candidates were recruited against posts in the Department.

As upto 31.3.95 there are 17403 ST, 53342 SC, 2644 Ex-servicemen, 269 disabled Ex-servicemen and 27386 women employees in various grades in the Department.



PRAGPURA DEPARTMENTAL SUB-POST OFFICE IN RAJASTHAN

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए गए
लेखा-परीक्षा पैरों का विवरण तथा दिनांक 4-1-1996 की स्थिति के अनुसार बकाया

	लेखा परीक्षा रिपोर्ट संख्या तथा वर्ष	पैरा	विषय
1.	1994 का 7	3.1	पोस्टल स्टाफ कालेज तथा प्रशिक्षण केन्द्र
2.	1994 का 7	4.1	डिस्टिंग प्लान्ट्स के लिए योजना का कार्यान्वयन न होना
3.	1994 का 7	4.2	नागपुर में खाली क्वार्टर
4.	1995 का 7	3.1	डाक सेवाओं का यंत्रीकरण और आधुनिकीकरण
5.	1995 का 7	3.2	नई दिल्ली में मेघदूत भवन का निर्माण
6.	1995 का 7	4.2	कटक में प्रधान डाकघर के भवन का निर्माण
7.	1995 का 7	4.3	राजस्थान सर्किल में स्टाफ क्वार्टरों की दोषपूर्ण प्लानिंग के कारण उपयोग न किया जाना
8.	1995 का 7	4.1	रही कागज की बिक्री से हानि

1994 के पैरा 4.1 और 1995 के पैरा 4.1 से संबंधित की गई कार्रवाई की टिप्पणी पहले ही जांच के लिए लेखा परीक्षा को भेज दी गई है।

**Details of the Draft Audit Paras included in the C&AG
Report and still outstanding as on 4.1.96**

Audit Report Number & Year	Paragraph No.	Subject
1. 7 of 1994	3.1	Postal Staff College and Postal Training Centres.
2. 7 of 1994	4.1	Non Implementation of Plan for dedusting plants.
3. 7 of 1994	4.2	Vacant Staff Quarters at Nagpur
4. 7 of 1995	3.1	Mechanisation and Modernisation of Postal Services.
5. 7 of 1995	3.2	Construction of Megdoot Bhawan at New Delhi
6. 7 of 1995	4.2	Construction of HPO Bldg. at Cuttack
7. 7 of 1995	4.3	Non Utilisation of Staff Quarters in Rajasthan Circle due to defective planning
8. 7 of 1995	4.1	Loss in sale of Waste Paper.

Action Taken Notes relating to Paras 4.1 of 1994, 4.1 of 1995 have been sent to Audit for vetting.

सारणी-1 कार्मिक: दिनांक 31.3.1995 को वास्तविक संख्या
(विभाग से बाहर प्रतिनियुक्ति तथा प्रशिक्षण पर गए व्यक्तियों सहित)

क. विभागीय			
राजपत्रित			
सचिव (डाक)			1
सदस्य, डाक सेवा बोर्ड			3
वरिष्ठ उप महानिदेशक, सचिव, डाक सेवा बोर्ड			1
भारतीय डाक सेवा			
मुख्य पोस्टमास्टर जनरल			2
वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			77
कनिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			134
समयमान			107
पोस्ट मास्टर सेवा			958
डाक तार लेखा और वित्त सेवा			
वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			1
कनिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			7
समय मान			24
लेखा अधिकारी और सहायक लेखा अधिकारी			737
केन्द्रीय सचिवालय सेवा			65
सिविल बिंग			
मुख्य अभियंता			1
अन्य			238
अन्य सामान्य केन्द्रीय सेवाएं			236
जोड़			2,592
अराजपत्रित	समूह "ब"	समूह "घ"	कुल
निदेशालय	447	151	598
डाकघर	196785	33344	230129
रेल डाक सेवा	26537	19296	45833
मेल मोटर सेवा	2177	652	2829
अन्य	3596	2975	6571
जोड़			229542
जोड़ विभागीय			288552
ख. अतिरिक्त विभागीय			308623
कुल जोड़ (क+ख)			597175

Table-1: PERSONNEL: Actual Strength
(Including those on deputation and training outside the Department) as on 31.3.95

A. DEPARTMENTAL			
GAZETTED			
Secretary (Post)			1
Member, Postal Service Board			3
Sr. DDG, Secretary, Postal Services Board			1
INDIAN POSTAL SERVICE			
Chief Postmaster General			2
Senior Administrative Grade			77
Junior Administrative Grade			134
Time Scale			107
Postmaster Service			958
P&T ACCOUNTS & FINANCE SERVICE			
Senior Administrative Grade			1
Junior Administrative Grade			7
Time Scale			24
Accounts Officers & Asstt. Accounts Officers			737
Central Secretariat Service			65
CIVIL WING			
Chief Engineer			1
Others			238
Other General Central Services			236
Total			2,592
NON GAZETTED	GROUP 'C'	GROUP 'D'	TOTAL
Directorate	447	151	598
Post Office	196785	33344	230129
Railway Mail Service	26537	19296	45833
Mail Motor Service	2177	652	2829
Others	3596	2975	6571
Total			229542
Total Departmental			288552
B. EXTRA DEPARTMENTAL			308623
Grand Total (A+B)			597175

सारणी-2 31.3.1995 को अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों की संख्या

अनुसूचित जाति	कर्मचारियों की कुल संख्या का प्रतिशत	अनुसूचित जनजाति	कर्मचारियों की संख्या का प्रतिशत
समूह "क"	85	27	4.56
समूह "ख"	199	51	2.55
समूह "ग"	41755	13787	6.00
समूह "घ" (सफाई कर्मचारी को छोड़कर)	10556	3480	6.29
समूह "घ" (सफाई कर्मचारी)	747	58	5.28

सारणी-3 31.3.1995 को भूतपूर्व सैनिकों, विकलांग भूतपूर्व सैनिकों और महिला कर्मचारियों की संख्या

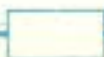
	भूतपूर्व सैनिक	विकलांग भूतपूर्व सैनिक	महिला कर्मचारी
समूह "क"	1	-	71
समूह "ख"	-	-	76
समूह "ग"	2199	229	22612
समूह "घ" (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर)	440	39	4411
समूह "घ" (सफाई कर्मचारी)	4	1	216

Table-2 : Number of Employees – Scheduled Castes/Tribes as on 31.3.95

	Scheduled Castes	Percentage to Total No. of Employees	Scheduled Tribes	Percentage to Total No. of Employees
Group 'A'	85	14.35	27	4.56
Group 'B'	199	9.95	51	2.55
Group 'C'	41755	18.19	13787	6.00
Group 'D' (Excluding Sweepers)	10556	19.08	3480	6.29
Group 'D' (Sweepers)	747	68.03	58	5.28

**Table-3 : Number of Employees –
Ex-Servicemen, Disabled Ex-Servicemen and Women Employees as on 31.3.1995**

	Ex-Servicemen	Disabled Ex-Servicemen	Women Employees
Group 'A'	1	--	71
Group 'B'	—	—	76
Group 'C'	2199	229	22612
Group 'D' (Excluding Sweeper)	440	39	4411
Group 'D' (Sweeper)	4	1	216





बम्बई जी.पी.ओ. में आधुनिकीकरण
Modernisation in Bombay G.P.O.



स्पीड पोस्ट बिजनेस आफिस, मद्रास
Speed Post Business Office Madras

